आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 26 | अंक : 91 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शुक्रवार, 22 मार्च, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर बवाल

आप कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, हिरासत में आतिशी, सौरभ भारद्वाज, सुप्रीम कोर्ट से वापस ली अर्जी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ईडी द्वारा गिरफ्तारी के बाद बवाल मच गया है। सभी विपक्षी दलों ने केजरीवाल की गिरफ्तारी का विरोध किया है। वहीं दिल्ली में 'आप' के कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदर्शन किया जा रहा है। आइटीओ पर प्रदर्शन कर रहे आप कार्यकर्ताओं और दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी व सौरभ भारद्वाज को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। इस दौरान आइटीओ पर यातायात जाम हो गया जिसे बाद में पुलिस ने खुलवाया। आम आदमी पार्टी के प्रदर्शन को देखते हुए आईटीओ का मेट्रो स्टेशन शाम 6.30 बजे तक के लिए बंद कर दिया गया। उधर शराब घोटाले के मामले में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर रोक की मांग को लेकर लीगल टीम सुप्रीम कोर्ट पहुंची, लेकिन दोपहर 12 बजे के बाद सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका को वापस ले लिया। इस याचिका पर आज ही जस्टिस संजीव खन्ना की बैंच सुनवाई करने वाली थी।

बता दें कि हाईकोर्ट से गिरफ्तारी पर रोक से इनकार के बाद गुरुवार देर शाम ईडी की टीम ने अरविंद केजरीवाल के घर पर पहुंची। करीब 2 घंटे की छापेमारी और पूछताछ के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री को जांच एजेंसी ने गिरफ्तार कर लिया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

विश्वविद्यालय के छात्र ने लगाई फांसी, महिला ने दी जान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-126 क्षेत्र में स्थित एक पीजी में रहने वाले विश्वविद्यालय के छात्र ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। नामी विश्वविद्यालय से पीजीडीएम के छात्र उड़ीसा निवासी विकास ने सेक्टर-126 स्थित विक्रांत पैलेस पीजी में अपने कमरे में फांसी लगाई है। वहीं थाना बिसरख क्षेत्र के पटवारी गांव में किराए पर रहने वाली मूल रूप से असम निवासी तालामय हासंदा पत्नी बाबूराम मुर्मू पिछले काफी समय से पटवारी गांव में किराए पर रह रही थी बीती शाम मकान मालिक ने उसे कमरे में फांसी के फंदे पर लटका देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची थाना बिसरख पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि महिला पिछले काफी समय से अकेली रह रही थी और उसके घर किसी का आना-जाना नहीं था। मृतका के परिजनों को हादसे की जानकारी दे दी गई है।

सिर पर ईंट गिरने से मजदूर की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र के एटीएस सोसाइटी में निर्माणाधीन इमारत में काम करने के दौरान सिर पर ईंट गिरने की वजह से मजदूर की मौत हो गई। मजदूर के परिजनों की शिकायत पर लापरवाही से मृत्यु होने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। होशियापुर गांव में रहने वाला संजय कुमार (55 वर्ष) ग्रेटर नोएडा की एटीएस सोसाइटी में मजदूरी का कार्य कर रहा था। बीती शाम साइट पर काम करने के दौरान ऊंचाई से सिर पर ईंट गिरने से संजय कुमार सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। साथी मजदूर उसे घायल अवस्था में नजदीक के अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। संजय कुमार की मृत्यु होने से साइट पर काम कर रहे अन्य मजदूरों में रोष व्याप्त हो गया और उन्होंने ठेकेदार पर कार्य में लापरवाही बरतने का (शेष पृष्ठ-3 पर)

विधवा महिला के साथ धोखे का ऐसा खेल कि उजड़ गई दुनिया

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में विधवा महिला के साथ धोखे का ऐसा भयानक खेल खेला गया कि उसकी दुनिया ही उजड़ गई। धोखे व षड्यंत्र का यह खेल किसी पराए ने नहीं बल्कि उसकी बहू ने खेला है। बहू के परिजनों ने ऐसी साजिश रची कि विधवा महिला का इकलौता बेटा मर गया और अब बेटे के ससुराली विधवा महिला की संपत्ति हड़पना चाहते हैं। विधवा महिला ने अपनी बहू व उसके परिजनों के खिलाफ थाना सेक्टर-126 में मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर-131 जेपी विस्टा सोसाइटी में रहने वाली माया सिंह (काल्पनिक नाम) ने बताया कि उसके बेटे निमिष की शादी सुल्तानपुर जनपद जौनपुर निवासी अमिता के साथ वर्ष 2022 में हुई थी। शादी के कुछ समय बाद से ही उनका बेटा काफी परेशान और मानसिक दबाव में रहने लगा। कुछ समय पहले उसके बेटे की तबीयत खराब हुई, डॉक्टर को दिखाने पर भी उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। (शेष पृष्ठ-3 पर)

बहनोई की गंदी हरकत, महिला का अश्लील वीडियो किया वायरल

नोएडा (चेतना मंच)। पति की गैर मौजूदगी में बहनोई ने महिला की अश्लील वीडियो व फोटो बनाकर महिला को ब्लैकमेल कर हजारों रुपए ऐंठ लिए। महिला द्वारा और रुपए दिए जाने से इनकार करने पर कलयुगी जीजा ने वीडियो व फोटो महिला के रिश्तेदारों को भेज दिए। चारों तरफ बदनामी झेलने के बाद पीड़ित पति ने अपने बहनोई के

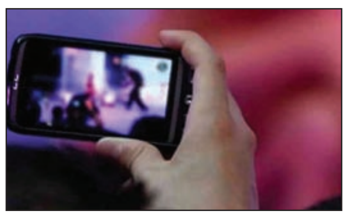

खिलाफ थाना सेक्टर-49 में मुकदमा दर्ज कराया है। मूल रूप से जनपद जालौन निवासी राकेश (काल्पनिक नाम) ने बताया कि वह हाल में होशियापुर गांव में किराए पर रहता है और मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। उसने बताया कि उसका बहनोई गोविंद दिल्ली में रहता है। कुछ समय पूर्व उसकी भांजे की तबीयत खराब हो गई थी। इस पर उसका बहनोई गोविंद उसे इलाज के लिए नोएडा लाया था। (शेष पृष्ठ-3 पर)

भविष्य के रास्ते

सही समय पर प्रशासनिक दखल के परिणाम किस तरह बेहतर हो सकते हैं, इसका एक उदाहरण एचआरटीसी के प्रबंध निदेशक रोहन चंद ठाकुर ने पेश किया है। वह डीटीसी के साथ एक अनुबंध करके न केवल दिल्ली जा रही सरकारी बसों के लिए उनके राजघाट परिसर में पार्क करने की व्यवस्था कर रहे हैं, बल्कि वहां ड्राइवर-कंडक्टरों के लिए विश्राम की उचित व्यवस्था भी कर रहे हैं। इस तरह एचआरटीसी सालाना अपने व्यय में करीब दो करोड़ की बचत करते हुए भविष्य के रास्ते खोज रही है। यह दीगर है कि सरकारी बसें भारी नुकसान की अर्थव्यवस्था के भंवर में फंसी हुई हैं और जनता की शिकायतों का एक पहाड़ इसके सामने खड़ा है, फिर भी वर्तमान सरकार के दौर में इलेक्ट्रिक बसों की दिशा में सरकार का फैसला इनकी खरीद के अंतिम दौर में है। करीब पांच सौ तेरह करोड़ से 327 बसें खरीद कर सरकार राज्य को ग्रीन एनर्जी के तहत भविष्य की संभावना से जोड़ रही है। इससे पहले शिमला व धर्मशाला की स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के तहत इलेक्ट्रिक बसें चलाई जा रही हैं। बहरहाल सडक़ परिवहन के क्षेत्र में एचआरटीसी अपने आप में राज्य के सेवा क्षेत्र के अलावा पर्यटन का सेतु भी है। हाल के दिनों में इसकी चर्चा के क्षेत्र में विसंगतियां रही हैं, फिर भी एचआरटीसी हिमाचल राज्य का एक ब्रांड है, जो सीधे जनापेक्षाओं को संबोधित करता है। यह दीगर है कि एचआरटीसी की प्रबंधकीय क्षमता पर राजनीति हावी होकर ऐसे फैसले लेती रही है, जिससे सार्वजनिक परिवहन की वित्तीय स्थिति निरंतर घाटे के नीचे दबी रहती है। अनावश्यक बस डिपो खोलकर राजनीति ने अपना कद भले ही ऊंचा कर लिया, लेकिन घाटे के सौदे में सरकारी बसें खुद पर शर्मिंदा हैं। बेशक अंतरराज्यीय बसों से एचआरटीसी की कमाई की रीढ़ दिखाई देती है, लेकिन राज्य स्तरीय व स्थानीय बस संचालन में अनावश्यक खर्चों को ढोती हुई बस सेवा कंगाल हो चुकी है। निजी बसों के मुकाबले सरकारी बसों की छवि, दक्षता, उपयोगिता व कमाई की औसत दर प्रदेश पर आर्थिक बोझ बढ़ा रही है। राज्य व स्थानीय रूट परमिट को देखते हुए परिवहन नीति में बदलाव से निजी निवेश को बढ़ावा मिलना चाहिए। एचआरटीसी अपने बस अड्डों के मार्फत आय का दायरा बढ़ा सकती है। बड़े शहरों, पर्यटक व धार्मिक स्थलों के बस स्थानक अपने आप में पर्यटन परिसर साबित हों, इस हिसाब से निजी निवेश के साथ पार्टनरशिप बढ़ानी होगी। एचआरटीसी के बस अड्डे कल के मॉल होने चाहिएं तथा इनके साथ महापार्किंग की अवधारणा में प्रयास करने होंगे। हिमाचल पथ परिवहन निगम अगर दिल्ली में डीटीसी के साथ मिलकर बचत कर रही है, तो ऐसे आदान-प्रदान हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड व जम्मू-कश्मीर राज्यों के परिवहन उपक्रमों के साथ भी होने चाहिएं। मसलन एचआरटीसी चंडीगढ़-दिल्ली के बीच बस ठहराव के साथ एक रिजॉर्ट विकसित कर सकती है, जबकि पंजाब के कई रूट्स में भी ऐसी संभावना को देखना चाहिए। एचआरटीसी अगर पठानकोट से बस डिपो का संचालन कर सकती है, तो दिल्ली, चंडीगढ़ व हरिद्वार से क्यों नहीं। परिवहन की दृष्टि से एचआरटीसी को पर्यटन रूट के अलावा स्थानीय परिवहन को भी अलग से परिभाषित करना होगा। निश्चित रूप से एचआरटीसी ने कुछ धार्मिक स्थलों को हिमाचल से जोडक़र ऐसी पहल की है, लेकिन जयपुर, मसूरी, अमृतसर, कुरुक्षेत्र व जम्मू के साथ पर्यटन परिवहन की नई तस्वीर पेश करनी होगी। हिमाचल के भीतर साइट सीईंग के पैकेज अगर एचआरटीसी शुरू करे, तो धार्मिक पर्यटन से आगे नई मंजिलें तैयार होंगी। प्रदेश में परिवहन की एक परिपाटी में हम एचआरटीसी की भूमिका को देखते हैं, जबकि इसकी संपूर्णता में निजी क्षेत्र की क्षमता काफी आगे है। एचआरटीसी के दायरे में निजी क्षेत्र का निवेश अगर परिवहन के उद्देश्य व संगत से हो, तो घाटे के फेरे लाभ की स्थिति में आ सकते हैं। एचआरटीसी का बैनर उदारता व सहयोग के साथ मेहनत करे, तो जो उपयोगिता निजी वोल्वो बसें पेश कर रही हैं, उनसे कहीं आगे सरकारी उपक्रम भी खड़ा हो सकता है। एचआरटीसी पर्यटन रूट्स को सरकारी डाक बंगलों से जोडक़र पैकेज बना सकता है, ताकि पर्यटक प्रदेश के भीतर मंजिल दर मंजिल सरकारी बसों को अपने सारथी के रूप में देख सके व विश्राम भी कर सके।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे मोक्षस्वरूप, विभु, व्यापक, ब्रह्म और वेदस्वरूप, ईशान दिशा के ईश्वर तथा सबके स्वामी श्री शिवजी मैं आपको नमस्कार करता हूँ। निजस्वरूप में स्थित (अर्थात मायादिरहित), (मायिक) गुणों से रहित, भेदरहित, इच्छारहित, चेतन आकाश रूप एवं आकाश को ही वस्त्र रूप में धारण करने वाले दिगम्बर (अथवा आकाश को भी आच्छादित करने वाले) आपको मैं भजता हूँ॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

निराकारमोंकारमूलं तुरीयं। गिरा ग्यान गोतीतमीशं गिरीशं॥
करालं महाकाल कालं कृपालं। गुणागार संसारपारं नतोऽहं॥

निराकार, ओंकार के मूल, तुरीय (तीनों गुणों से अतीत), वाणी, ज्ञान और इन्द्रियों से परे, कैलासपति, विकराल, महाकाल के भी काल, कृपालु, गुणों के धाम, संसार से परे आप परमेश्वर को मैं नमस्कार करता हूँ॥

तुषाराद्रि संकाश गौरं गभीरं। मनोभूत कोटि प्रभा श्रीशरीरं॥
स्फुरन्मौलि कल्लोलिनी चारु गंगा। लसद्भालबालेन्दु कंठे भुजंगा॥

जो हिमाचल के समान गौरवर्ण तथा गंभीर हैं, जिनके शरीर में करोड़ों कामदेवों की ज्योति एवं शोभा है, जिनके सिर पर सुंदर नदी गंगाजी विराजमान हैं, जिनके ललाट पर द्वितीया का चंद्रमा और गले में सर्प सुशोभित है॥

चलत्कुण्डलं भ्रू सुनेत्रं विशालं। प्रसन्नाननं नीलकंठं दयालं॥
मृगाधीशचर्माम्बरं मुण्डमालं। प्रियं शंकरं सर्वनाथं भजामि॥

जिनके कानों में कुण्डल हिल रहे हैं, सुंदर भ्रुकुटी और विशाल नेत्र हैं, जो प्रसन्नमुख, नीलकण्ठ और दयालु हैं, सिंह चर्म का वस्त्र धारण किए और मुण्डमाला पहने हैं, उन सबके प्यारे और सबके नाथ (कल्याण करने वाले) श्री शंकरजी को मैं भजता हूँ॥

प्रचंडं प्रकृष्टं प्रगल्भं परेशं। अखंडं अजं भानुकोटिप्रकाशं॥
त्रयः शूल निर्मूलनं शूलपाणिं। भजेऽहं भवानीपतिं भावगम्यं॥

प्रचण्ड (रुद्ररूप), श्रेष्ठ, तेजस्वी, परमेश्वर, अखण्ड, अजन्मे, करोड़ों सूर्यों के समान प्रकाश वाले, तीनों प्रकार के शूलों (दुःखों) को निर्मूल करने वाले, हाथ में त्रिशूल धारण किए, भाव (प्रेम) के द्वारा प्राप्त होने वाले भवानी के पति श्री शंकरजी को मैं भजता हूँ॥

कलातीत कल्याण कल्पान्तकारी। सदा सज्जनानन्ददाता पुरारी॥
चिदानंद संदोह मोहापहारी। प्रसीद प्रसीद प्रभो मन्मथारी॥

कलाओं से परे, कल्याणस्वरूप, कल्प का अंत (प्रलय) करने वाले, सज्जनों को सदा आनंद देने वाले, त्रिपुर के शत्रु, सच्चिदानंदघन, मोह को हरने वाले, मन को मथ डालने वाले कामदेव के शत्रु, हे प्रभो! प्रसन्न होइए, प्रसन्न होइए॥

'ज्ञान' पर योगी सरकार का पूरा फोकस

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की सात साल की उपलब्धियों और कार्यों पर गौर करें तो पता चलता है कि इस सरकार का पूरा फोकस गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति पर रहा है। योगी सरकार की इस उपलब्धिय को संक्षेप में ज्ञान यानी जीवाईएएन के रूप में भी देखा जा सकता है। जी से गरीब, वाई से युवा, ए से अन्नदाता और एन से नारी शक्ति। यह ठीक है कि युवा शक्ति को इस दौरान नौकरियों के लिए जूझना जरूर पड़ा है। पुलिस भर्ती परीक्षा के पेपर लीक की वजह से उसे परेशानी भी हुई है। लेकिन इसके बावजूद योगी सरकार का समूचा फोकस इन्हीं चार विषयों पर केंद्रित रहा है।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के लिए अच्छी बात यह रही कि केंद्र में पहले से ही उसकी पार्टी की सरकार थी। इसकी वजह से उसे अपनी योजनाओं को लागू करने में किसी रोकटोक का सामना नहीं करना पड़ा। राज्य सरकार ने 2017 में अपनी शुरूआत से ही केंद्र द्वारा शुरू की गई गरीब समर्थक योजनाओं के कार्यान्वयन में जोर लगा दिया। जिसमें उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन देने, शौचालय निर्माण के के साथ ही रेहड़ी-पटरी वालों के लिए रियायती कर्ज और हर जल नल कनेक्शन देने में इस सरकार ने पूरा जोर लगा दिया। राज्य सरकार केंद्र की 44 योजनाओं को लागू करने में अव्वल है। राज्य में उज्ज्वला योजना के तहत अब तक पौने दो करोड़ परिवारों को गैस कनेक्शन मिल चुके हैं। जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राज्य में 55 लाख 83 हजार से ज्यादा मकान बने हैं। राज्य में स्वच्छ भारत मिशन के तहत पौने तीन करोड़ से ज्यादा शौचालय बनाए गए हैं। उत्तर प्रदेश के देहाती इलाकों में इन शौचालयों को टायलेट या शौचालय की बजाय सहजता से इज्जत घर कहा जा रहा है। हर घर नल योजना के तहत राज्य के दो करोड़ पांच लाख घरों तक पानी का कनेक्शन इन सात सालों में ही दिया गया। इसके साथ ही 17 लाख 62 हजार रेहड़ी-पटरी वालों को रियायती दर पर कर्ज मिला है। उत्तर प्रदेश में एक और योजना बहुत तेजी से लागू की गई है। केंद्र सरकार के आयुष्मान भारत योजना के तहत राज्य के नौ करोड़ लोगों को पांच लाख रूपए तक का चिकित्सा बीमा की सहूलियत मिली है।

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार आने के पहले तक बिजली आपूर्ति की स्थिति बेहद खराब थी। पूरे राज्य में लखनऊ और इटावा-सैफई ही ऐसी जगहें थीं, जहां सुचारू बिजली आपूर्ति होती थी। राज्य को सबसे ज्यादा राजस्व देने वाले नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, कानपुर आदि के उद्योगों के लिए भी बिजली सहजता से उपलब्ध नहीं थी। लेकिन इस बीच स्थितियां सुधरी हैं। अब गांवों तक रोजाना 16 से 18 घंटे तक बिजली मिल रही है। राज्य में बिजली आपूर्ति के सरंजाम बेहद पुराने हैं। बलिया समेत पूर्वी जिले में स्थानीय

योगी सरकार के कार्यकाल में ही उत्तर प्रदेश में दो और उल्लेखनीय कार्य हुए। वाराणसी के काशी विश्वनाथ कारीडोर का दो साल पहले उद्घाटन हुआ। करीब सात सौ करोड़ रूपए की लागत से बने इस कारीडोर के चलते काशी में ना सिर्फ आस्था, बल्कि कारोबार का भी सैलाब उमड़ पड़ा है।

आपूर्ति करने वाले ट्रांसमिशन सिस्टम जर्जर हो चुके हैं। इसकी वजह से यदा-कदा गड़बड़ियां होती हैं। अलबत्ता कुल मिलाकर स्थिति सही है। इसका असर औद्योगिक उत्पादन पर भी पड़ा है। राज्य में उद्योग पनप रहे हैं। इसका प्रत्यक्ष और परोक्ष लाभ राज्य की जनता को मिल रहा है। इसी क्रम में कह सकते हैं कि राज्य सरकार ने 2024-25 के लिए एक हजार करोड़ के प्रावधान के साथ युवा उद्यमी विकास योजना शुरू की गई है। राज्य सरकार को उम्मीद है कि इससे राज्य में युवा कारोबार और उद्योग की ओर उन्मुख होंगे, जिसका फायदा राज्य के युवाओं को रोजगार के रूप में मिलेगा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। इस योजना में 2 करोड़ 68 लाख किसानों को अब तक 68 हजार 135 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। इसी तरह राज्य में मिशन शक्ति, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, गरीबों की बेटियों के लिए विवाह अनुदान योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना समेत कई योजनाओं से लाखों महिलाओं को फायदा हुआ है।

योगी सरकार के कार्यकाल में ही उत्तर प्रदेश में दो और उल्लेखनीय कार्य हुए। वाराणसी के काशी विश्वनाथ कारीडोर का दो साल पहले उद्घाटन हुआ। करीब सात सौ करोड़ रूपए की लागत से बने इस कारीडोर के चलते काशी में ना सिर्फ आस्था, बल्कि कारोबार का भी सैलाब उमड़ पड़ा है। देसी तीर्थ यात्रियों की संख्या बढ़ी है। ऐसा अनुमान है कि रोजाना करीब एक लाख देसी सैलानी सामान्य दिनों में वाराणसी आ रहे हैं। इसका सीधा फायदा यहां के परिवहन, होटल, खानपान और शिल्पकारी के कारोबार पर पड़ा है। इसी तरह बीते 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला के मंदिर का उद्घाटन हुआ। तीर्थ क्षेत्र अयोध्या का विकास भी हो रहा है। यहां भी रोजाना लाखों तीर्थ यात्री आ रहे हैं। जिनकी वजह से इलाके में रोजगार और कारोबार की संभावनाएं बेहतर हो रही हैं।

2017 में योगी आदित्यनाथ के सत्ता संभालने के बाद ही राज्य के पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का निर्माण पूरा हुआ। इसमें गंगा एक्सप्रेसवे का नाम सबसे आगे है। इसके साथ ही राज्य से होकर दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे गुजरने वाला है। जिस पर तेजी से काम जारी है। इसी तरह लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे, गाजियाबाद-कानपुर एक्सप्रेसवे और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर काम चल रहा है। इसके साथ ही गोरखपुर-सिलीगुड़ी एक्सप्रेसवे, दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून एक्सप्रेसवे और गाजीपुर-बलिया-मांझीघाट एक्सप्रेसवे की भी तैयारी है। हाल ही में गोरखपुर-शामली एक्सप्रेसवे के रूप में राज्य के सबसे लंबे एक्सप्रेसवे बनाने को लेकर भी तैयारियां जोरों पर है। आदित्यनाथ सरकार के दौरान राज्य की कानून व्यवस्था भी पहले की तुलना में दुरूस्त हुई है। इसकी वजह से राज्य एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उत्तर प्रदेश के विपक्षी दलों का आरोप है कि राज्य में स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचार खूब है। हालांकि यह भी सच है कि भ्रष्टाचार की जानकारी होने के बाद कार्यवाही भी खूब हो रही है। बेशक राज्य ने इन सात सालों में बहुत उपलब्धियां हासिल की हैं। लेकिन अभी बहुत कुछ हासिल किया जाना बाकी है। इसके लिए राज्य सरकार को अपनी प्रशासनिक मशीनरी को दुरूस्त और चाकचौबंद रखना होगा। क्योंकि नीतियों और योजनाओं को जमीनी हकीकत यह मशीनरी ही बनाती है। मशीनरी कई बार जानबूझकर तो कई बार अकुशल होने के चलते योजनाओं को सही तरीके से लागू नहीं कर पाती। जिसकी वजह से बेहतर नीतियों का जमीनी फायदा नहीं मिल पाता। योगी सरकार इस दिशा में भी काम कर रही है। चिकित्सा व्यवस्था और शिक्षा व्यवस्था को भी दुरूस्त किया जा रहा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि योगी सरकार के प्रयास और तेज होंगे, ताकि उत्तर प्रदेश के लोगों की जिंदगी को और ज्यादा खुशहाल बनाया जा सके।

-उमेश चतुर्वेदी
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

चुनावी बॉण्ड के बंद होने से चुनावों में बढ़ेगा काला धन

चुनावी बॉण्ड के विवरण को सार्वजनिक करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले से केंद्र सरकार के साथ चंदा देने वाले उद्योगपतियों को मुश्किल का सामना करना पड़ेगा। चुनावी बॉण्ड की खरीद के तहत सर्वाधिक चंदा भारतीय जनता पार्टी को मिला है। केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने वित्त वर्ष 2022-23 में चुनावी बॉन्ड के जरिये करीब 1,300 करोड़ रुपये का राजनीतिक चंदा जुटाया है। यह राशि इसी अवधि में चुनावी बॉन्ड के जरिये कांग्रेस को मिले चंदे की तुलना में सात गुना अधिक है। कांग्रेस को चुनावी बॉन्ड के जरिये 171 करोड़ रुपये की आय हुई, जो वित्त वर्ष 2021-22 में 236 करोड़ रुपये से कम है। राज्य स्तर पर समाजवादी पार्टी को 2021-22 में चुनावी बॉन्ड के जरिए 3.2 करोड़ रुपये की आय हुई थी लेकिन 2022-23 में उसे इन बॉन्ड के जरिये कोई धनराशि नहीं मिली। वहीं, राज्य स्तर पर मान्यता प्राप्त एक अन्य दल तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) को 2022-23 में चुनावी बॉन्ड के माध्यम से 34 करोड़ रुपये मिले, जो पिछले वित्त वर्ष से 10 गुना अधिक राशि है।

ऐसा नहीं है कि एसबीआई के लिए बॉण्ड की जानकारी का खुलासा करना कोई बहुत कठिन काम हो। एसबीआई चाहे तो 24 घंटे में जानकारी को मुहैया करा सकती है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अर्जी दाखिल करके बॉण्ड की जानकारी सार्वजनिक करने के लिए 30 जून तक समय मांगा है। दरअसल इस बीच लोकसभा चुनाव सम्पन्न हो जाएंगे। इसके बाद केंद्र की भाजपा सरकार को मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ेगा। इससे पहले चुनावी बॉण्ड का खुलासा होने पर सर्वाधिक समस्या बॉण्ड के रूप में चंदा देने वाले उद्योगपतियों और व्यवसायियों को करना पड़ेगा। भाजपा को चुंकि सर्वाधिक चंदा मिला है, ऐसे में बॉण्ड के खरीददार कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के निशाने पर रहेंगे। विशेष कर जिन राज्यों में कांग्रेस और गैर भाजपा दलों की सरकारें हैं, उनमें बॉण्ड खरीददारों को सत्तारुढ़ दलों के कोपभाजन का निशाना बनना पड़ सकता है। राजनीतिक दुर्भावना की नीयत से इनके खिलाफ कार्रवाई करने में विपक्षी दल कसर बाकी नहीं छोड़ेगे। गौरतलब है कि राहुल गांधी और विपक्षी पार्टी के नेता पहले ही अडानी और अंबानी को घेरे हुए हैं। यही वजह है कि एसबीआई गले पड़ी इस मुसीबत को टालने के लिए 30 जून तक का समय मांग रही है। इस अवधि के बाद केंद्र की भाजपा सरकार को किसी बात का डर नहीं रहेगा। भाजपा को पूरी उम्मीद है कि फिर केंद्र में सरकार उसकी बनेगी। सरकार बनने के बाद भाजपा के बॉण्ड के खरीददारों को सुरक्षा देने में केंद्र सरकार कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ेगी। लेकिन इससे पहले

केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने वित्त वर्ष 2022-23 में चुनावी बॉन्ड के जरिये करीब 1,300 करोड़ रुपये का राजनीतिक चंदा जुटाया है। यह राशि इसी अवधि में चुनावी बॉन्ड के जरिये कांग्रेस को मिले चंदे की तुलना में सात गुना अधिक है।

यदि इनके नामों का खुलासा किया गया तो निश्चित तौर पर राज्यों के सत्तारुढ़ विपक्षी दल खरीददारों का बख्शेंगे नहीं। कारण स्पष्ट है कि भाजपा की तुलना कांग्रेस को बेहद कम और अन्य दलों को अल्पमात्र चंदा मिला है।

पिछले महीने, मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच- न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने चुनावी बांड योजना को रद्द कर दिया था और एसबीआई को राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए प्रत्येक चुनावी बांड के विवरण का खुलासा करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि जानकारी में नकदीकरण की तारीख और बांड के मूल्यवर्ग को शामिल किया जाना चाहिए और 6 मार्च तक चुनाव पैनल को प्रस्तुत किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को आदेश दिया था कि वह इन बॉन्डों को जारी करना बंद कर दे और इस माध्यम से किए गए दान का विवरण चुनाव आयोग को दे। इसके बाद चुनाव आयोग से कहा गया कि वह इस जानकारी को 13 मार्च तक अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करे। पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने माना कि काले धन से लडने् और दानदाताओं की गोपनीयता बनाए रखने का घोषित उद्देश्य इस योजना का बचाव नहीं कर सकता। अदालत ने कहा कि चुनावी बांड काले धन पर अंकुश लगाने का एकमात्र तरीका नहीं है। चुनावी बांड योजना 2018 में काले धन को राजनीतिक प्रणाली में प्रवेश करने से रोकने के घोषित उद्देश्य के साथ शुरू की गई थी। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा था कि भारत में राजनीतिक फंडिंग की पारंपरिक प्रथा नकद दान है। उन्होंने कहा था, 卐स्रोत गुमनाम या छद्म नाम हैं। धन की मात्रा का कभी खुलासा नहीं किया गया। वर्तमान प्रणाली अज्ञात स्त्रोतों से आने वाले अशुद्ध धन को सुनिश्चित करती है। यह पूरी तरह से गैर-पारदर्शी प्रणाली है। गोपनीयता खंड पर, उन्होंने कहा था कि दानदाताओं की पहचान का खुलासा उन्हें नकद विकल्प पर वापस ले जाएगा। दानकर्ता की जानकारी गोपनीय रखने के लिए एसबीआइ ने इलेक्टोरल बांड की खरीद और भुगतान के संबंध में देशभर में अपनी 29 अधिकृत शाखाओं (जहां से पहले इलेक्टोरल बांड जारी होते थे) के लिए एक स्टैंडर्ड आपरेटिंग प्रोसिजर (एसओपी) तय किया था। इसमें कहा गया था कि गोपनीयता बनाए रखने के लिए इलेक्टोरल बांड खरीदने वाले के बारे में कोई भी ब्योरा यहां तक कि केवाइसी भी कोर बैंकिंग सिस्टम में नहीं डाली जाएगी। एसबीआइ ने कहा है कि शाखाओं के जरिए खरीदे गए इलेक्टोरल बांड का ब्योरा केंद्रीयकृत ढंग से एक जगह नहीं रखा जाता। बांड खरीदने और उसके भुगतान की तिथि से जुड़ा ब्योरा दो भिन्न सिलोस में रखा जाता है। भारतीय स्टेट बैंक ने राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए चुनावी बॉण्ड का विवरण अब तक साझा नहीं किया है। इसकी डेडलाइन भी निकल चुकी है। स्टेट बैंक ने राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए चुनावी बॉण्ड के विवरण का खुलासा करने के लिए 30 जून तक समय देने का अनुरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दायर एक आवेदन में स्टेट बैंक ने दलील दी कि प्रत्येक साइलो से जानकारी फिर से प्राप्त करना और एक साइलो की जानकारी को दूसरे से मिलाने की प्रक्रिया में समय लगेगा।

चुनावी बॉन्ड मामले में एसबीआई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दायर की गई है। इस याचिका को एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक राइट्स ने दाखिल किया है। दरअसल, एसबीआई को चुनावी बॉन्ड से जुड़ी जानकारी 6 मार्च तक चुनाव आयोग को मुहैया करानी थी लेकिन एसबीआई द्वारा ये जानकारी मुहैया नहीं कराई गई है। इस मुद्दे को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार और विपक्षी एक-दूसरे के खिलाफ आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कहा कि जो पैसा बीजेपी को मिला, हम भी ये जानना चाहते हैं कि आपने इन पैसों से क्या किया? बीजेपी को अकेले 5000 करोड़ से ज़्यादा पैसा आया। एसबीआई इन तमाम बातों का खुलासा करे कि किस पार्टी ने कितना पैसा किसको दिया।

इसके जवाब में मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि हम अभी भी ये मानते हैं की ये सबसे ज्यादा पारदर्शी व्यवस्था थी। अगर कोई कहता है कि बीजेपी को ज्यादा पैसा मिला तो यह कुतर्क है, आज से 30-40 साल पहले हम अगर कहते कि कांग्रेस को ज्यादा पैसा मिला तो उसका क्या मतलब था। आज बीजेपी सबसे ज्यादा बड़ी पार्टी है। यह निश्चित है कि केंद्र सरकार के चुनावों में काले धन के जरिए होने वाले भ्रष्टाचार को रोकने के प्रयासों को सुप्रीम कोर्ट के फैसले झटका लगा है। कोर्ट के बॉण्ड के मामले में दिए गए आदेश के बाद राजनीतिक दल फिर से चुनावी चंदे के नाम पर उद्योपतियों की बांह मरोडने् से बाज नहीं आएंगे।

- योगेन्द्र योगी

राशिफल

फाल्गुन कृष्ण पक्ष : त्रयोदशी | (विक्रम संवत् 2080)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
भावुक बने रहेंगे। मन से परेशान रहेंगे। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम,संतान मध्यम।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
गृह-कलह के शिकार होंगे। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी होगी। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान मध्यम।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शारीरिक स्वास्थ्य पहले से बेहतर है। धन का आगमन बढ़ेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा, लेकिन तबियत अभी भी बहुत अच्छी नहीं दिख रही है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
मानसिक परेशानी बने रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। नेत्र पीड़ा भी संभव है। प्रेम, संतान अच्छा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आर्थिक स्थिति सुधरेगी। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। नए स्तोत्र से भी पैसे आएंगे। यात्रा का भी योग बनेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। स्वास्थ्य अच्छा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। बचकर पार करें। प्रेम, संतान अच्छा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
स्वास्थ्य पहले से बेहतर। जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा और साथ मिलेगा। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात थोड़ी सी विवादित हो सकती है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा लेकिन डिस्टर्बेंस बना रहेगा। प्रेम, संतान अच्छा। स्वास्थ्य मध्यम। व्यापार ठीक है।

होली मिलन समारोह आयोजित

नोएडा (चेतना मंच)। शिव नगरी सेक्टर-17, नोएडा पर दीदी की रसोई ट्रस्ट द्वारा ट्रस्ट की अध्यक्ष रितु सिंन्हा व ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष सामाजिक कार्यकर्ता गंगेश्वर दत्त शर्मा के नेतृत्व में होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर परिवेश संरक्षणम ट्रस्ट के सहयोग से घरेलू सामान/ साफ सफाई किट का भी वितरण किया गया और लोगों को पर्यावरण को शुद्ध बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर वंदना शर्मा, राहुल शर्मा, दक्ष गोयल, विकास माहेश्वरी, अमित शर्मा, सविता शर्मा, संगीता चौधरी, चांदनी, सविता देवी, राहुल भाटिया आदि वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

सपा कार्यालय सूरजपुर में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेते सपा नेता कुंवर नादिर शाह, एवं चौधरी हसरूद्दीन खान राजपूत।

महापंचायत स्थगित, धरना जारी

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-142 के शहदरा गांव में किसानों के 64,7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवज़ा 10 प्रतिशत भूखण्ड, लीजबैक, पुनर्वास योजना व उच्चन्यायालय के स्टे के बावजूद किसान नेता हातम सिंह भाटी की वर्षों पुरानी दुकानों को बिना नोटिस दिए नोएडा विकास प्राधिकरण की तोडफोड की कार्यवाई के विरोध में भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के नेतृत्व में किसानों का अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन लगातार 36 वें भी लगातार जारी रहा।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने बताया कि धरना स्थल पर 27 मार्च को संगठन ने महापंचायत का ऐलान किया था जिससे प्राधिकरण के आलाधिकारी हरकत में आये और किसानों की समस्याओ के निस्तारण के लिए ओएसडी महेन्द्र प्रसाद ने आबादी विनियमितीकरण के लिए एक कमेटी गठित की गई है।

कमेटी में विशेष कार्याधिकारी क्रान्ति शेखर, विशेष कार्याधिकारी ए0के0,सम्बन्धित लेखपाल तथा एक अन्य लेखपाल को नियुक्त किया गया है जो किसानों के बीच शहदरा गांव में पहुंचकर किसानों की समस्याओ को सुना और आने वाले 29 मार्च को जमीन का सर्वे कर आबादी विनियमितीकरण व अन्य समस्याओ के निस्तारण का आश्वासन दिया है जिससे संगठन ने सर्वसम्मति से 27 मार्च को होने वाली महापंचायत को स्थगित कर दिया है लेकिन किसानों का धरना सुचारु रुप से चलता रहेगा।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा रेखा सिवाल, प्रदेश अध्यक्ष हातम सिंह भाटी, प्रदेश अध्यक्ष युवा एंव प्रदेश प्रवक्ता विपिन खारी, प्रदेश उपाध्यक्ष गिरीश भाटी, प्रदेश सचिव ऊधम नम्बरदार, जिलाध्यक्ष रामबीर भाटी, जिलाध्यक्ष मुरादाबाद फहीम, जिला उपाध्यक्ष मिदंर नागर आदि किसान मौजूद रहे।

कंपनी से लाखों का माल साफ

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र की एक कंपनी में चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर कंपनी से लाखों रुपए मूल्य का अल्युमिनियम, जनरेटर की बैटरी एलसीडी व अन्य सामान चोरी कर ले गए।

विकास त्यागी ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उनकी ईकोटेक-3 क्षेत्र में स्टार एलईडी के नाम से फैक्ट्री है। बीते 16 मार्च की रात्रि को चोरों ने उनकी फैक्ट्री में घुसकर 6 बोरे एल्युमिनियम की हिटसीग, जनरेटर की बैटरी एलसीडी तथा एल्यूमिनियम की रोड चोरी कर ली। 17 मार्च की सुबह जब है फैक्टरी पहुंचे तो उन्हें चोरी की घटना की जानकारी हुई। उन्होंने इसकी सूचना तुरंत थाना पुलिस को दी। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

ट्रेन से गिरकर मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बादलपुर क्षेत्र के रोजा जलालपुर रेलवे फाटक के पास ट्रेन से गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

थाना प्रभारी ने बताया कि आज सुबह पुलिस को सूचना मिली कि रोजा जलालपुर रेलवे फाटक के पास एक व्यक्ति का लहूलुहान शव पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान करने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिल पाई। उन्होंने बताया कि मृतक के पास से ऐसा कुछ बरामद नहीं हुआ है जिससे उसकी शिनाख्त हो सके। प्रारंभिक जांच को पता चला है कि मृतक की उम्र करीब 25 वर्ष के आसपास है और चलती ट्रेन से गिरने के कारण उसकी मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर उसकी पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

घर से मोबाइल, लैपटॉप चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-6 में रहने वाले एक व्यक्ति के घर से मोबाइल लैपटॉप पर्स आदि चोरी हो गया। पीड़ित ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर-100ए ब्लॉक में रहने वाले गुल मोहम्मद सैफी ने बताया कि वह 19 मार्च की रात्रि को अपने कमरे में सोया हुआ था उसने मकान का मुख्य द्वार तथा अपने कमरे का दरवाजा बंद कर रखा था। सुबह करीब 4:30 बजे उसकी आंख खुली तो पास में रखा मोबाइल लैपटॉप पर बाइक की चाबी गुम थी। उसने पास के कमरे में सो रहे अपने भाई को जगाकर चोरी की घटना की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को कंखालकर बदमाशों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

गुलेल गैंग ने तोड़ा कार का शीशा

नोएडा (चेतना मंच)। सड़क किनारे कार खड़ी कर सब्जी खरीदना एक व्यक्ति के लिए खासा महंगा साबित हुआ। चोरों ने कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप तथा पर्स में रखे 50 हजार रुपए व जरूरी कागजात चोरी कर लिए।

थाना सेक्टर-58 में दर्ज कराई रिपोर्ट में सेक्टर-62 जेल अपार्टमेंट निवासी सुशांत कुमार ने बताया कि वह 20 मार्च को उसने अपनी कार नवादा गांव के पास खड़ी की और सब्जी खरीदने लगा। कुछ देर बाद जब वह सब्जी खरीद कर वापस लौटा तो उसकी कार का शीशा टूटा हुआ था। चोरों ने कार में रखा लैपटॉप, पर्स, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, एटीएम कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि चोरी कर लिए। सुशांत कुमार के मुताबिक पर्स में 50 हजार रुपए रखे हुए थे। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

दो किशोरियों का अपहरण

नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थान से दो किशोरिया संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। किशोरियों के परिजन ने थाने में अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस किशोरियों की तलाश कर रही है।

थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के बरौला में रहने वाले राजेश (काल्पनिक नाम) ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उनकी (14 वर्षीय) बेटी 15 मार्च को घर से बाहर गई थी इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। शाम को जब वह ड्यूटी से घर पहुंचे तो उन्हें बेटी लापता मिली। उन्होंने आसपास उसकी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला।

वहीं थाना सेक्टर-113 में सोरखा गांव में रहने वाले सुरेश (काल्पनिक नाम) ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनके 15 वर्षीय बेटी 20 मार्च की दोपहर को घर के बाहर से लापता हो गई। उन्होंने अपने बेटी की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। सुरेश ने एक युवक पर अपनी बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और किशोरियों की तलाश की जा रही है।

दहेज के लिए बहू की प्रताड़ना

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 में एक व्यक्ति ने अपनी बहन के साथ मारपीट व उत्पीड़न करने के आरोप में उसके ससुरालवालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि उसकी बहन के ससुराल वाले दहेज में 5 लाख रुपए व एक कार मांग रहे हैं।

ग्राम रसूलपुर नवादा निवासी कुलदीप यादव ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसकी बहन रेखा (काल्पनिक नाम) की शादी 31 में 2021 में रसूलपुर नवादा गांव निवासी बबलू यादव के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही उसकी बहन को कम दहेज लाने के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा। उसकी बहन ने इसकी जानकारी परिजनों को दी जिसके बाद कई बार उसके ससुराल वालों को समझाया गया, लेकिन उनका व्यवहार नहीं सुधरा। बबलू यादव पर उसके परिजन रेखा से मायके से 500000 लाख रूपये व कार लाने का दवाब बनाने लगे। मांग पूरी न होने पर आए दिन उसके साथ मारपीट की जाने लगी। कुलदीप यादव का आरोप है कि 18 मार्च को रेखा के पति बबलू, सास रामेश्वरी, देवर अखिलेश यादव व शिवदेस यादव ने मारपीट कर उसे घायल कर दिया। जानकारी मिलने पर वह अपनी बहन को अपने साथ घर ले आए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न मारपीट सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

क्रिप्टो करंसी मे जाल में फंसकर गंवाए लाखों रूपये

नोएडा (चेतना मंच)। क्रिप्टो करेंसी में निवेश पर बेहतर मुनाफा दिलाने का झांसा देकर दो जालसाजों ने एक मीडियाकर्मी से 19 लाख रुपए हड़प लिए। मीडियाकर्मी ने जब अपने पैसे वापस मांगे तो आरोपी ने उसे झूठे मुकदमे में फंसने की धमकी दी। पीड़ित ने थाना सेक्टर-58 में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर-61 रॉयल गार्डन स्टेट निवासी हरीश असवाल ने बताया कि उनका सेक्टर-63 में न्यूज़ चैनल का ऑफिस है। एक परिचित के माध्यम से उनकी सेक्टर-121 में रहने वाले मनीष कसाना व संकल्प से मुलाकात हुई। मनीष कसाना तथा संकल्प ने बताया कि क्रिप्टोकरंसी में निवेश करने पर बहुत अच्छा मुनाफा होता है। उन्होंने जब कहा कि भारत में क्रिप्टोकरंसी पर प्रतिबंध है तो आरोपी ने कहा कि यह सब गलत बातें हैं। भारत में बहुत से लोग क्रिप्टो करेंसी में निवेश करके मुनाफा ले रहे हैं। मनीष कसाना व संकल्प ने क्रिप्टो करेंसी में निवेश करने के लिए उनसे पैसे उधार दिए जाने की बात कही। मनीष कसाना ने कहा कि उसे निवेश से जो प्रॉफिट होगा उसमें भी वह उन्हें हिस्सेदारी देगा। हरीश असवाल ने बताया कि दोनों की बातों में आकर उसने उन्हें कई बार में 19 लाख रुपए दे दिए। इस दौरान लेन-देन का एक लिखित एग्रीमेंट भी बनवाया गया। पैसों की एवज में आरोपियों ने उसे दो चेक दिए जो बैंक में लगाने पर बाउंस हो गए। उसने जब अपने स्तर पर जांच पड़ताल की तो पता चला कि दोनों आरोपी क्रिप्टो करेंसी में निवेश करने के नाम पर धोखाधड़ी का काम कर रहे हैं और एक बहुत बड़ा रैकेट चला रहे हैं।

गाजियाबाद में भी इनके ऊपर धोखाधड़ी का केस दर्ज है जो एक कंपनी के द्वारा दर्ज कराया गया था। आरोपियों ने बैंक के साथ भी 14 करोड रुपए का घोटाला किया है। इसके अलावा यह लोग गाड़ियों का एक राज्य से दूसरे राज्य में अवैध तरीके से बचने का धंधा भी करते हैं। पीड़ित की शिकायत पर थाना सेक्टर-58 पुलिस ने धोखाधड़ी का गबन का मामला दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल कर रही है।

एमिटी में सिग्नल प्रोसेसिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

नोएडा (चेतना मंच)। देश विदेश के छात्रों, उद्यमियों, शोधार्थियों, वैज्ञानिकों को सिग्नल प्रोसेसिंग एंव इंटिग्रेटेड नेटवर्क पर अपने विचारों को प्रकट करने और इस क्षेत्र में हो रहे नवीनतम विकास की जानकारी प्रदान करने के लिए मंच प्रदान करने हेतु एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियिरिंग एंड टेक्नोलॉजी के इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सिग्नल प्रोसेसिंग एंव इंटिग्रेटेड नेटवर्क 11वें अंर्तराष्ट्रीय सम्मेलन (एसपीआईएन 2024) का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का शुभारंभ इसरों के चेयरमैन और अंतरिक्ष विभाग के चेयरमैन डा एस सोमनाथ (ऑनलाइन), एमिटी शिक्षण समूह के सस्थापक अध्यक्ष डा अशोक कुमार चौहान, संचार मंत्रालय के टेलीकम्यूनिकेशन विभाग के टेलीकॉम इंजीनियरिंग सेंटर के डिप्टी डायरेक्टर जनरल (टेलीकॉम सुरक्षा) श्री बिनय कुमार सिंह, एमिटी विश्वविद्यालय के चांसलर डा अतुल चौहान, यूएसए के जनरल ॲटोमिक ग्लोबल कोरपोरेशन के चीफ एक्जीक्यूटिव डा विवेक लाल, यूएसए के नासा एमेस रिसर्च सेंटर, कंप्यूटर वैज्ञानिक डा जॉन एम जेनकिन्स, एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला, एमिटी सांइस टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फांउडेशन के अध्यक्ष डा डब्लू सेल्वामूर्ती द्वारा किया गया। इस अवसर पर एरिक्सन इंडिया के इंडिया हेड - नेटवर्क और एमडी श्री नितिन बंसल और सहस्त्र इलेक्ट्रोनिक प्राइवेट लिमिटेड के कोरपोरेट स्ट्रैटजी के निदेशक श्री जार्ज पॉल को प्रोफेसरशिप की मानद उपाधि प्रदान की।

सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए इसरो के चेयरमैन और अंतरिक्ष विभाग के चेयरमैन डा एस सोमनाथ (ऑनलाइन) ने कहा कि एमिटी छात्रों में शिक्षा के साथ साथ अनुसंधान और नवाचार के गुण को विकसित कर रहा है। सिग्नल प्रोसेसिंग भौतिक मापदंडों की परिवर्तनशीलता का सबसे आवश्यक घटक है। हम लंबे समय से स्पेस सेंटर में कार्य कर रहे है और रिमोट सेसिंग क्राफ्ट की रीढ़ बनी हुई है। अंतरिक्ष यान डिटेक्टरों के माध्यम से संकेतो के माध्यम पृथ्वी की तस्वीर लेता है और उसकी विश्वसनीयता को खोए बिना उन्हे छवियों में बदलने के लिए प्रक्रिया को करता है। इस क्षेत्र में बडी प्रगति हुई है हांलाकि अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

सेंसिग सिग्नल प्रोसेसिंग कर एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा जो एक बहुत ही जटिल प्रक्रिया है और यह भविष्य के प्रयासों की जानकारी देता है। सिंग्नल प्रोसेसिंग और कनेक्टेड नेटवर्क की एक बड़ी श्रृखंला हमें सिग्नल कैपचरिंग और उच्च आवृत्ति संचालन की गतिविधियों का संचालन करने में सक्षम बनाती है हांलांकि इस डोमेन को विकसित करने में विशेषज्ञता विकसित की गई है।

उत्तर मध्य रेलवे

L. No.: JHS-ELG-W-T-35-2023-24-RT Date: 18.03.2024

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये तथा उनकी ओर से वरि. मंडल विद्युत अभियन्ता (सामान्य), उत्तर मध्य रेल, झाँसी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

कार्य का विवरण: झाँसी ईएलजीः मंडल रेलवे अस्पताल, झाँसी में विद्युत ऊर्जा प्रणाली की विश्वसनीयता में सुधार।

निविदा राशिः ₹ 71,40,155/- मात्र, **बयाना राशिः** ₹ 1,42,800/- मात्र, **कार्य समापन अवधिः** 06 माह, **निविदा बंद होने की तिथिः** 11.04.2024 (15.00 बजे तक)।

निविदाकार निविदा **दिनांक 11.04.2024** को **15.00 बजे** तक आनलाईन जमा कर सकेगें। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के वेबसाईट http://www.ireps.gov.in पर देखें। 533/24(A)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @northcentralrailway | @CPRONCR

पृष्ठ एक के शेष....

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

केजरीवाल की...

चेन्नई में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ डीएमके नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के समर्थन में अपनी पार्टी के विरोध प्रदर्शन के दौरान डीएमके नेता दयानिधि मारन ने कहा, हम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की निंदा करते हैं।

सिर पर ईंट गिरने...

आरोप लगाते हुए हंगामा किया। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया मृतक के प्रश्नों की शिकायत पर लापरवाही से मृत्यु होने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है

विधवा महिला के...

जांच में भी उसकी कोई बड़ी बीमारी सामने नहीं आई। वर्ष 2024 में उसके बेटे की मौत हो गई। बेटे की मौत के बाद से वह बुरी तरह टूट गई। इस हादसे से वह अभी संभाली भी नहीं थी कि उसकी बहू अमिता और उसके घर वालों का व्यवहार एकदम से बदल गया।

माया सिंह के मुताबिक उनकी बहू अमिता के चाचा नीरज सिंह ने उनकी बेटे की तेरहवीं के अगले दिन ही उन पर अमिता के लिए कुछ करने का दबाव डालना शुरू कर दिया। इस दौरान 15 फरवरी को उन्हें पता चला कि उनकी बहू अमिता ने वर्ष 2013 में रजिस्टर्ड विवाह कर रखा है और उसका तलाक नहीं हुआ है। उन्होंने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि शादी करवाने वाले बिचौलिया शिव शंकर तथा अमिता व उसके परिवार ने धोखा, छल व षड्यंत्र कर उन्हें अपने जाल में फंसाया और धोखाधड़ी से उनके बेटे के साथ अमिता की शादी कर दी। पीड़िता के मुताबिक उसकी बहू व उसके परिजन उसके नाम संपत्ति करने का दबाव बना रहे हैं।

थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर उनकी बहू अमिता सिंह, उसके परिजन, बिचौलिया व शिव शंकर के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

बहनोई की गंदी...

राकेश ने बताया कि वह सुबह- सवेरे मजदूरी करने के लिए चला जाता था। इस दौरान गोविंद ने उसकी पत्नी की अश्लील वीडियो व फोटो बना ली। इन फोटो को वायरल करने का भय दिखाकर गोविंद ने उसकी पत्नी से 60000 रूपये ले लिए। पैसे लेने के बावजूद भी गोविंद उसकी पत्नी पर और पैसे देने का दबाव डाल रहा था। उसकी पत्नी ने पैसे देने से इनकार कर दिया तो आरोपी ने अश्लील फोटो व वीडियो वायरल करने का भय दिखाकर उसे वीडियो कॉल की और उसकी गंदी वीडियो रिकॉर्ड कर ली। पैसे ना मिलने पर गोविंद ने उसके रिश्तेदारों को उसकी पत्नी की अश्लील फोटो व वीडियो भेज दी। इस बारे में जब उसने गोविंद से बात की तो आरोपी ने उसे गाली गलौज की और जान से मारने की धमकी थी। गोविंद ने धमकी दी कि अगर उसे पैसे नहीं मिले तो वह उनकी जिंदगी बर्बाद कर देगा। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है।

चाकू की बट से मामा पर हमला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बिसरख में परचून की दुकान पर बैठे एक व्यक्ति पर उसके भांजे ने जानलेवा हमला कर उसे घायल कर दिया। आरोपियों ने पिस्तौल व चाकू की बट से मामा पर कई वार किए। कलयुगी भांजों की इस हरकत से परिजन हैरान हैं। आरोपियों के खिलाफ थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

ग्राम बिसरख निवासी देवेंद्र यादव गांव में ही परचून की दुकान चलाते हैं। गुरुवार को वह अपनी दुकान पर बैठे हुए थे। इस दौरान उनके दुकान पर उनके भांजे रोहित यादव, विकास यादव निवासी ग्राम जनूपुरा गढ़मुक्तेश्वर पहुंचे। दोनों ने कोई बातचीत किए बिना ही अपने मामा देवेंद्र यादव के साथ लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान कार में बैठे दो अन्य अज्ञात युवक उतरे और उन्होंने रोहित तथा विकास के हाथ में पिस्तौल व चाकू थमा दिए। इसके बाद आरोपियों ने चाकू व पिस्तौल की बट से ताबड़तोड़ कई बार कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस हमले में देवेंद्र यादव लहू लुहान होकर गिर पड़े। शोर शराबा सुनकर आस पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद आरोपी पिस्तौल लहराते हुए मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल हुए देवेंद्र यादव को परिजनों ने उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। देवेंद्र ने अपने भांजे के खिलाफ थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज कराया है। थाना प्रभारी का कहना है कि आरोपियों की तलाश की जा रही है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या : झाँसी-इन्जी0-सी-2024-31 | अनुमानित लागत रू. 12680546.02

कार्य का नाम : (ए) औग्मेंटेशन एंड कंस्ट्रक्शन ऑफ 8 व्हीलर टावर वैगन शेड्स इन प्लेस आफ 4 व्हीलर टावर वैगन शेड्स एट तालबेहट एंड बबीना टीआरडी डिपो ऑफ झाँसी डिवीजन। **(बी)** प्रोविजन ऑफ पोर्टर हट एट 16 स्टेशनस ऑफ झाँसी डिवीजन अंडर एडीईएन/ ललितपुर जूरिडिक्शन।

अमानत राशि : 213400.00, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 09 माह

ई-निविदा सूचना संख्या : झाँसी-इन्जी0-सी-2024-46 | अनुमानित लागत रू. 13424279.29

कार्य का नाम : (ए) उरई : कंस्ट्रक्शन ऑप कम्युनिटी हॉल एट उरई स्टेशन। **(बी)** प्रोविजन ऑफ पोर्टर हटस एट 15 स्टेशन ऑफ झाँसी डिवीजन अंडर एडीईएन/कानपुर जूरिडिक्शन।

अमानत राशि : 217100.00, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 10 माह

ई-निविदा सूचना संख्या : झाँसी-इन्जी0-सी-2024-50 | अनुमानित लागत रू. 57653551.91

कार्य का नाम : बीना- झाँसी सेक्शनः- रिहैबिलिटेशन ऑफ बेरियम स्टोन स्लैब ब्रिज ऑफ स्पान < 2.00 मीटर अंडर जूरिडिक्शन ऑफ एडीईएन/ललितपुर जूरिडिक्शन।

अमानत राशि : 438300.00, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह

निविदा बन्द होने की तिथि : सभी ई-निविदा सूचना संख्या के लिये : 12.04.2024 at 15:00 hrs. • निविदा दिनांक 12.04.2024 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखे। 536/24 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @northcentralrailway @ CPRONCR

पौराणिक काल से मनाया जा रहा है होली का त्यौहार

होली का त्यौहार प्राचीन काल से मनाया जा रहा है। इसका वर्णन नारद पुराण, भविष्य पुराण, जैमिनी मीमांसा, कवि सूरदास, रसखान, राजा हर्ष के समय के ग्रंथों, अलबरूनी के यात्रा वृत्तांत, विजयनगर राज्य के हंपी के मंदिरों में मौजूद चित्रों, मेवाड़ चित्रकला, मीराबाई की रचनाओं समेत साहित्य व कला के विविध स्वरूपों में पाया जाता है।

होली पर सबसे ज्यादा प्रचलित पौराणिक कथा भक्त प्रह्लाद, दैत्यराज हिरण्यकश्यप और होलिका की है। होली का त्यौहार प्राचीन काल से मनाया जा रहा है। इसका वर्णन नारद पुराण, भविष्य पुराण, जैमिनी मीमांसा, कवि सूरदास, रसखान, राजा हर्ष के समय के ग्रंथों, अलबरूनी के यात्रा वृत्तांत, विजयनगर राज्य के हंपी के मंदिरों में मौजूद चित्रों, मेवाड़ चित्रकला, मीराबाई की रचनाओं समेत साहित्य व कला के विविध स्वरूपों में पाया जाता है।

भक्त प्रह्लाद की कथा

होली पर सबसे ज्यादा प्रचलित पौराणिक कथा भक्त प्रह्लाद, दैत्यराज हिरण्यकश्यप और होलिका की है। हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र प्रह्लाद को विष्णु की भक्ति से रोकने के लिए उसपर कई अत्याचार किए और कई बार उसकी जान लेने की कोशिश की, लेकिन बेटे को विष्णु से विमुख नहीं कर पाया।

हरि कृपा से हर बार प्रह्लाद के प्राण बचते रहे। अंत में हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका को बुलाया, जिसे आग में न जलने का वरदान था। वह प्रह्लाद को गोद में लेकर आग में प्रवेश कर गई, लेकिन प्रह्लाद की भक्ति यहां भी जीत गई। न जलने वाली होलिका जलकर भस्म हो गई और प्रह्लाद सकुशल बच गया। तभी से फागुन पूर्णिमा को होली दहन की परंपरा शुरू हुई।

राक्षसिनी धुंडी की कथा

दक्षिण भारत में राक्षसी धुंडी की कथा होली से जोड़ी जाती है। यह राक्षसी राजा पृथु या रघु के राज्य में रहती थी और बच्चों को तकलीफ पहुंचाकर खुश होती थी। उसे भगवान शिव से वरदान प्राप्त था कि किसी भी तरह उसकी पराजय नहीं होगी, लेकिन बच्चो के झुंड की एकता और जोश से सावधान रहना होगा।

जब राक्षसी के अत्याचार हद से बढ़ गए, तब बच्चों ने झुंड बनाकर खूब धमाल किया और धुंडी को खदेड़ दिया। तब से आज तक दक्षिण भारत में होली दहन के दिन बच्चे भड़कीली पोशाखें पहनकर खूब धमाल करते हैं और राक्षसी को खदेड़ने की परंपरा दोहराते हैं।

पूतना की मौत

एक और कथा राक्षसी पूतना की मौत से जुड़ी है। मथुरा के राजा कंस ने अपने भानजे कृष्ण को मारने के लिए राक्षसी पूतना को सुंदर वेश बनाकर गोकुल भेजा। पूतना ने अपनी छाती पर विष लगाया और बाल कृष्ण को अपना दूध पिलाना शुरू किया। कृष्ण ने दूध के साथ पूतना के प्राण भी शरीर से खींच लिए।

कामदेव दहन का सम्मान

दक्षिण भारत में होली से संबंधित एक और कथा प्रचलित है। यह है तीसरा नेत्र खोल दिया, जिससे कामदेव जलकर भस्म हो गए। हालांकि बाद में शिव के वरदान से कामदेव का उनकी पत्नी रति से फिर मिलन हुआ।

यहां माना जाता है कि शिव समाधि में ही रह जाते, तो सृष्टि का चलना संभव नहीं था। कामदेव ने सृष्टि के भले की खातिर अपना बलिदान दिया। इसी बलिदान को सम्मान देने के लिए दक्षिण भारत में होली मनाई जाती है। तमिलनाडु में इसे कामविलास, काम पंदिगाई और काम-दहनम भी कहा जाता है।

राधा-कृष्ण की कथा

उत्तर भारत में होली की एक कथा राधा-कृष्ण से जुड़ी भी है। कहा जाता है कि राधाजी काफी गोरी थीं, जबकि कृष्ण श्यामवर्ण थे। उन्होंने मैया यशोदा से पूछा कि मैं क्या करूं? मैया ने कहा कि राधा के गोरे चेहरे पर रंग मलकर उसे भी अपने रंग की बना दो। बस फिर क्या था, कन्हैया निकल पड़े और राधारानी के चेहरे को श्याम रंग से पोत दिया। उसी प्रसंग की याद में मथुरा, वृंदावन, ब्रज, गोकुल और बरसाने की होली मनाई जाती है।

होली के पर्व का जिक्र आते ही मन रंगों से खेलने लगता है और प्रेम के इस पर्व में हर कोई राधा व कृष्ण हो जाना चाहता है। आप सोच रहे होगे कि राधा व कृष्ण का होली से क्या नाता है तो आइये जानते हैं। होली और राधा-कृष्ण का क्या संबंध है।

पुष्कर में खेली जाती है दुनिया की सबसे अनोखी होली

राजस्थान के पुष्कर को अपनी सांस्कृतिक महत्ता के लिए प्रसिद्धि प्राप्त है, लेकिन यहां का होली उत्सव भी अत्यंत खास होता है। हर साल होली के दिन, देश-विदेश से पर्यटक यहां केवल होली का उत्सव मनाने के लिए आते हैं। होली के दिन, कई स्थानों पर हजारों लोग डीजे की धुन पर नाचते हुए दिखाई देते हैं।

साधारण होली खेलकर हो गए हैं बोर तो पुष्कर की होली का उठाएं मजा। 25 मार्च को होली का त्योहार मनाया जाएगा। होली रंगों का एक उत्सव है, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। यह त्योहार राजस्थान के पुष्कर में भी मनाया जाता है, जहां जश्न की तैयारियां शुरू हो गई हैं। पुष्कर, राजस्थान का एक प्रसिद्ध स्थान है जहां विश्वस्तरीय मेले होते हैं। इस स्थान का होली का उत्सव अत्यधिक विशेष होता है। होली के दिनों में यहां आने वालों को अलग-अलग माहौल का अनुभव होता है।

एक खास बात यह है कि आप पुष्कर की होली में भाग लेने के साथ-साथ, राजस्थान के अन्य प्रमुख स्थलों में भी घूमने का अवसर मिलता है। आईआरसीटीसी ने एक टूरिस्ट पैकेज पेश किया है, जिसमें पुष्कर के अतिरिक्त राजस्थान के अन्य प्रमुख स्थलों का भ्रमण शामिल है। इस 6 दिन के टूर पैकेज के साथ ही खाने-पीने की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। राजस्थान के पुष्कर

को अपनी सांस्कृतिक महत्ता के लिए प्रसिद्धि प्राप्त है, लेकिन यहां का होली उत्सव भी अत्यंत खास होता है। हर साल होली के दिन, देश-विदेश से पर्यटक यहां केवल होली का उत्सव मनाने के लिए आते हैं। होली के दिन, कई स्थानों पर हजारों लोग डीजे की धुन पर नाचते हुए दिखाई देते हैं।

वराह घाट और ब्रह्मा चौक पर होली के उत्सव का विशेष आयोजन किया जाता है। यहां कपड़े फाड़ने वाली होली भी खेली जाती है। अगर आप इस बार राजस्थान जा रहे हैं, तो आईआरसीटीसी के इस पैकेज का लाभ उठाने का सुनिश्चित करें।

राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा पुष्कर होली मेले का आयोजन 22 मार्च 2024 से 26 मार्च 2024 तक किया जाएगा। यह पुष्कर की होली का महोत्सव चार दिनों तक पुष्कर शहर के वराह घाट चौक पर आयोजित किया जाएगा।

25 मार्च को चंद्रग्रहण, कुंडली में है ग्रहण योग है तो इसी दिन करें 5 अचूक उपाय

जन्म पत्रिका में किसी एक स्थान पर राहु एवं चंद्रमा की युति हो तो ग्रहण चंद्र योग बनता है। इसमें भी राहू एवं चंद्रमा के अंशों में 9 अंश से कम का अंतर हो तो ग्रहण योग बनता है, परंतु 9 अंश से अधिक के फासले पर यह योग प्रभावकारी नहीं होता है। यदि दोनों ग्रहों की दूरी 7 अंश से कम की हो तो इस योग का फल अधिक पढ़ता है। राहू, चंद्रमा का अंतर डेढ़ अंश से कम होने पर यह योग पूर्ण प्रभावकारी रहता है। यदि आपकी कुंडली में चंद्र ग्रहण योग है तो इस दिन यह उपाय करके आप इस ग्रहण दोष से मुक्त हो सकते हैं।

25 मार्च 2024 को वर्ष का पहला उपच्छाया चंद्र ग्रहण रहेगा। यदि आपकी कुंडली में चंद्र ग्रहण योग है तो इस दिन यह उपाय करके आप इस ग्रहण दोष से मुक्त हो सकते हो। चंद्रग्रहण से मानसिक पीड़ा और माता को हानि पहुंचती है। स्वास्थ संबंधी कई गंभीर समस्याएं भी हो सकती हैं। इसके साथ यह यह ग्रहण दोष कुंडली के जिस भी भाव में होता है उस भाव के फल को खराब कर देता है।

चंद्रग्रहण के लिए उपाय

1. सोमवार और प्रदोष का व्रत रखें।
2. दाढ़ी और चोटी न रखें।
3. सोमवार को केसर की खीर खाएं और कन्याओं को खिलाएं।
4. सोमवार के दिन श्वेत वस्त्रों का दान करना चाहिए।
5. शिवजी की पूजा करें और चावल का दान करें।

कैसे बनता है चंद्र ग्रहण दोष

जन्म पत्रिका में किसी एक स्थान पर राहु एवं चंद्रमा की युति हो तो ग्रहण चंद्र योग बनता है। इसमें भी राहू एवं चंद्रमा के अंशों में 9 अंश से कम का अंतर हो तो ग्रहण योग बनता है, परंतु 9 अंश से अधिक के फासले पर यह योग प्रभावकारी नहीं होता है। यदि दोनों ग्रहों की दूरी 7 अंश से कम की हो तो इस योग का फल अधिक पढ़ता है। राहू, चंद्रमा का अंतर डेढ़ अंश से कम होने पर यह योग पूर्ण प्रभावकारी रहता है।

कुंडली के भाव के अनुसार प्रभाव

- प्रथम भाव में हो तो खर्च दोष, दांत का देरी से आना एवं धन संचय का योग बनता है।
- द्वितीय भाव में खुद के परिश्रम से धन प्राप्त करना, खाने के शौकीन होना एवं बचपन में कष्ट पाने का योग बनता है।
- तृतीय स्थान में राहू-चंद्र की युति से शांत प्रकृति वाले, प्रसिद्धि पाने वाले एवं दाहिने कान में तकलीफ की संभावना आती है।
- चतुर्थ स्थान में जन्मभूमि से दूर जाना पड़ता है, मेहनत से प्रगति करते हैं। दान की प्रवृत्ति अधिक होती है।
- पंचम स्थान का ग्रहण जातक को बुद्धिमान, ईश्वर भक्त और कामी बनाता है।
- छठे भाव में शरीर निरोगी रहता है। शत्रु बहुत उत्पन्न होते हैं, लेकिन जल्दी ही समाप्त हो जाते हैं। मातृपक्ष की चिंता होती है।
- सप्तम भाव में ग्रहण योग दाम्पत्य जीवन को अच्छा करता है। व्यापार में हानि का योग बनता है, पलायनवादी दृष्टिकोण को जन्म देता है।
- आठवें स्थान में राहू-चंद्र की युति से अल्पायु में प्रसिद्धि मिलती है, स्त्री से धन प्राप्त होता है, आर्थिक हानि उठाना पड़ती है।
- नौवें घर में संतान की प्रगति होती है, लंबे प्रवास का योग बनता है, धार्मिक कार्य करते हैं और आलस्य आता है।
- दशम भाव में योगी, हल्का व्यापार करने वाला एवं सामाजिक कार्य में संलग्नता का फल देता है।
- ग्यारहवें स्थान में चंद्र-राहू की युति काम से प्रसिद्धि दिलाती है। अनैतिक तरीके से धन एकत्र करने पर परेशानी उठाना पड़ती है। आँख या कान के रोग उत्पन्न होते हैं।
- बारहवें स्थान में इस योग का फल कुशल व्यवसायी के रूप में मिलनसारिता के रूप में एवं दाम्पत्य जीवन में तनाव की स्थिति उत्पन्न करता है।

ग्रहण काल में जपें ये खास मंत्र

1. ॐ सों सोमाय नम:। 2. ॐ चं चंद्रमस्यै नम:। 3. ॐ श्रां श्रीं श्रौं स: चन्द्रमसे नम: ।4. ॐ शीतांशु, विभांशु अमृतांशु नम: । 5. ॐ ऐं क्लीं सौमाय नामाय नम:।

कैसे जपे मंत्र- कोई मंत्र तब ही सफल होता है, जब आप में पूर्ण श्रद्धा व विश्वास हो। किसी का बुरा चाहने वाले मंत्र सिद्धि प्राप्त नहीं कर सकते। मंत्र जपते समय एक खुशबूदार अगरबत्ती प्रज्वलित कर लें। इससे मन एकाग्र होकर जप में मन लगता है और ध्यान भी नहीं भटकता है। उपरोक्त मंत्रों को ग्रहण काल में विधिवत जाप करने से दिव्य फल प्राप्त होता है और जीवन की सभी मुसीबतें दूर होती है।

होली में भांग खाने और पीने के पीछे की है दिलचस्प कहानी

शिव भगवान को भांग से जोड़कर देखा जाता है। किवंदती के मुताबिक अर्थवेद के एक हिस्से में भांग का भी जिक्र किया गया है

होली का नाम सुनते ही दिमाग में रंग-गुलाल, मिठाईयां और तरह तरह के पकवानों का ख्याल आ जाता है, लेकिन एक चीज और है जो होली का जिक्र होते ही ज़हन में आ जाती है और वो है भांग। कहते ये भी हैं कि होली की मजा तब ही है जब भांग का रंग चढ़ा हो। देखा जाए तो आज होली और भांग का रिश्ता भारतीय संस्कृति में हिस्सा बन चुका है। लेकिन क्या आपको मालूम है कि होली के मौके पर भांग खाने और पीने के पीछे की दिलचस्प कहानी क्या हो सकती है?

भगवान शिव से नाता

हिन्दू धर्म के शिव भगवान को भांग से जोड़कर देखा जाता है। मान्यता है कि एक बार भगवान शिव किसी बात से नाराज हो गए थे और नाराज होने के बाद वो घर से निकल गए। और वो रास्ता भटक गए, और बगल में ही भांग की खेत थी जहां उन्होंने सोकर रात गुजार दी। जब भगवान शिव सुबह में उठे तो उन्हें भूख लगी और कुछ नहीं मिलने पर भांग को ही खाने लगे। इसके बाद भांग को भगवान शिव के साथ जोड़कर देखा जाने लगा।

वेद में भांग का जिक्र

हिन्दू धर्म चारों वेद में आखरी वेद है अथर्ववेद। किवंदती के मुताबिक इस वेद के एक हिस्से में भांग का भी जिक्र किया गया है। कहा जाता है कि भांग एक औषधीय पौधा है जिसके इस्तेमाल से कई बीमारियों को दूर भी किया जा सकता है। भांग को लेकर ये भी कहा जाता है अथर्ववेद के मुताबिक भांग के पेड़ की गिनती धरती के पांच सबसे पवित्र पौधे में होती है।

राग दरबारी में भांग का जिक्र

भांग के बारे में हिंदी के उपन्यास राग दरबारी ने सबसे खूबसूरत वर्णन किया है। 1970 के दशक में श्रीलाल शुक्ल ने उत्तर प्रदेश के एक गांव की पृष्ठभूमि को पन्ने पर उतारा और इसमें भांग की खास जगह दी। इसमें भांग ऐसी रमी है कि गांव का कोई गरीब बच्चा जिसे गाय-भैंस के दूध का स्वाद भी न पता हो लेकिन वह भांग का स्वाद जरूर पता होता है।

हुमायूं को पंसद थी भांग से बनी मिठाई

मुगल बादशाह हुमायूं भी 'माजूम' का शौकीन थे। इसे भांग में दूध, घी, आटा और कुछ मीठा मिलाकर बनाया जाता था। वहीं मध्यकाल के मुगलिया दौर में यूनानी चिकित्सा में भी भांग का इस्तेमाल किया जाता था।

1857 की क्रांति और भांग

भांग का नाता 1857 की क्रांति से भी जोड़कर देखा जाता है। माना जाता है कि जब मंगल पांडेय ने विद्रोह का बिगुल फूंका था तो उसके पीछे भांग की भूमिका थी। कहा जाता है कि जब मंगल पांडेय पर विद्रोह का मुकदमा चला तो उन्होंने भांग का सेवन करने की बात बोली थी।

भांग का नशा उतारने के 5 अचूक घरेलू उपाय

शिवरात्रि, महाशिवरात्रि, होली और रंगपंचमी के दिन अक्सर लोग भांग पीते हैं। भांग पीने के बाद भले ही आपका आनंद बढ़ जाए, लेकिन दिमागी क्षमता कम हो सकती है। कई बार इसका नशा जब सिर पर चढ़ता है तो व्यक्ति पागल जैसी हरकते करने लगता है। उसे नींद आती है लेकिन वह सो नहीं सकता है क्योंकि बहुत बैचेनी और घबराहट होने लगती है। भांग का नशा उतारने के घरेलू उपाय आजमा सकते हैं, लेकिन ज्यादा चढ़ गई है तो डॉक्टर से संपर्क करें।

1. खटाई: भांग उतारने के लिए खटाई का सेवन करना सबसे बेहतर तरीका है। इसके लिए आप नींबू, छाछ, दही या फिर इमली का पना बनाकर उसका सेवन कर सकते हैं। बेशक इन तरीकों से भांग का नशा उतर जाएगा।

2. गुनगुना पानी : अगर भांग पीने के बाद बहुत अधिक नशा होने से व्यक्ति बेहोशी में हो, तो सरसों का तेल हल्का गुनगुना करके संबंधि ?त व्यक्ति के कान में डाल दें। एक-दो बूंद सरसों का तेल दोनों कानों में डालें।

3. शुद्ध घी : कई लोग घी के सेवन को भी भांग के इलाज के तौर पर प्रयोग करते हैं। इसके लिए शुद्ध देशी घी का अत्यधिक मात्रा में सेवन करना बेहद जरूरी है, ताकि भांग का नशा उतरने में आसानी हो।

4. अरहर की दाल : अरहर की कच्ची दाल कर प्रयोग भी भांग उतारने में काफी मददगार है। इसके लिए अरहर की कच्ची दाल को पीसकर पानी के साथ संबंधित व्यक्ति को दें या फिर इसे पानी से साथ पीसकर पिलाएं।

5. चने : भुने हुए चने और संतरे का सेवन, भांग का नशा कम करने का एक बढ़िया विकल्प है। इसके अलावा बगैर शक्कर या नमक डला हुआ नींबू पानी 4 से 5 बार पिलाने पर भांग का नशा उतर जाएगा।

क्या होता है भांग पीने से : - भांग की वजह से दिल की धड़कन व ब्लडप्रेशर बढ़ सकता है जिससे कि मस्तिष्क को नुकसान हो सकता है बहुत ज्यादा भांग लेने वालों में इसके उल्टे परिणाम के तौर पर दिमागी हालत गड़बड़ाना और क्रॉनिक सिजोफ्रेनिया जैसी समस्याएं होती हैं, भले ही कुछ लोग इसे लेना बंद कर दें। भांग लेने वाले कुछ लोगों की दिमागी स्थिति अतिसंवेदनशील हो सकती है और इससे खतरे में पलटाव उन लोगों में बढ़ जाता है, जो पहले से ही इस तरह की समस्या के शिकार हों और यह उन लोगों में कहीं ज्यादा होने की संभावना होती है, जो सिजोफ्रेनिया से ग्रसित होते हैं। भांग दिमागी हालत की समस्या वालों में और इसकी गिरफ्त में आने यानी दोनों के लिए ही घातक है।

मासूमों का दूसरा हत्यारा जावेद गिरफ्तार,वायरल वीडियो में गिड़गिड़ाता नजर आया

बदायूं। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के बाबा कॉलोनी में हुई नृशंस डबल मर्डर केस में दूसरे आरोपी जावेद को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गुरुवार को जावेद को गिरफ्तार किया है।जावेद पर पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम रखा था। आरोपी दिल्ली से आ कर बरेली में सरेंडर करने की फिराक में था। जावेद को वायरल वीडियो में कहते हुए सुना जा सकता है, 'मैं सीधा दिल्ली भाग गया और मैं बरेली आया हूं सीधा सरेंडर करने। बड़े भाई ने किया था, मैंने कुछ भी नहीं किया था। मेरा कोई हाथ नहीं है। भाई पुलिस के हवाले कर दो।' वायरल वीडियो में जावेद के पर्स निकालकर लोग उसका आधार कार्ड चेक कर रहे हैं। एसएसपी प्रियदर्शी ने बयान जारी करते हुए बताया, 'जावेद ने बरेली के बारादरी थाना क्षेत्र के सेटेलाइट चौकी में सरेंडर किया था।इसके बाद हमें जानकारी मिली और फिर बदायूं पुलिस की टीम उसे लेकर आई है।' बता दें कि दोनों बच्चों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी सामने आई है, जिसमें बताया गया है कि साजिद ने कुल 23 वार किए थे। एक बच्चे पर 14 तो दूसरे पर 9 वार के निशान थे। वहीं साजिद की पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी सामने आई है, जिसमें बताया गया है कि साजिद को कुल 3 गोली लगी थी।

मरीज की जान बचाने दौड़ रही एम्ब्युलैंस का ट्रैफिक पुलिस ने काटा ऑवर स्पीड का चालान

–ड्राइवर सूरत पुलिस आयुक्त की कचहरी पंहुचा

सूरत। सड़कों पर अंधाधुंध दौड़ते वाहनों की रफ्तार पर लगाम लगाने के उद्देश्य से पुलिस ने ऑवर स्पीड के चालान काटने की शुरुआत की है।हांलाकि आपात सेवा से जुड़े वाहनों पर ऑवर स्पीड का नियम लागू नहीं होता, इसके बावजूद एम्ब्युलैंस का ऑवर स्पीड का चालान काटने की घटना सामने आई है।चालान मिलने के बाद एम्ब्युलैंस का ड्राइवर ने पुलिस आयुक्त कचहरी में लिखित शिकायत की है।घटना सूरत की है, जहां ड्राइवर के खिलाफ ऑवर स्पीड में एम्ब्युलैंस चलाने का चालान काटा गया है। सूरत में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपना लिया है। सूरत के अलग अलग इलाकों में लगे कैमरों के जरिए ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ ई चालान जारी कर जुर्माना वसूला जाता है। ऐसे में सूरत पुलिस आयुक्त कचहरी ई चालान लेकर पहुंचे एम्ब्युलैंस के ड्राइवर की बात सुनकर सभी चौंक उठे। किसी मरीज की जान बचाने के लिए सड़कों पर भागती एम्ब्युलैंस के लिए कोई स्पीड लिमिट नहीं होती। इसके बावजूद एम्ब्युलैंस के ड्राइवर का चालान काट दिया गया। ड्राइवर को चालान के बारे में तब पता चला जब वह आरटीओ में अपनी गाड़ी के फिटनेस टेस्ट के लिए गया था7 जहां उसे पता चला कि उसके खिलाफ ऑवर स्पीड को लेकर रु. 2000 का चालान काटा गया है। जिसके बाद एम्ब्युलैंस का ड्राइवर सूरत पुलिस आयुक्त की कचहरी पहुंच गया और लिखित में शिकायत कर दी।

29 जून से शुरु होगी बाबा बर्फानी की यात्रा

नई दिल्ली ।बाबा बर्फानी के भक्तों के लिए बड़ी खुशखबरी है।बाबा अमरनाथ धाम के दर्शन श्रद्धालु 29 जून से कर पाएंगे।इस बार यात्रा 29 जून से शुरु होकर 19 अगस्त तक चलेगी। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, भगवान शिव ने अमरनाथ गुफा में ही माता पार्वती को अमर होने का रहस्य बताया था। बाबा अमरनाथ धाम के दर्शन करने हर साल श्रद्धालु दूर–दूर से यहां आते हैं। बाबा अमरनाथ की गुफा समुद्र तल से करीब 3,800 मीटर ऊंचाई पर स्थित है।गुफा में मौजूद शिवलिंग की खासियत है कि ये खुद–ब–खुद बनता है।ऐसा कहा जाता है कि कहा जाता है कि चंद्रमा के घटने–बढ़ने के साथ–साथ इसके शिवलिंग के आकार में बदलाव आता है।अमरनाथ का शिवलिंग ठोस बर्फ से निर्मित होता है। जबकि जिस गुफा में यह शिवलिंग मौजूद है, वहां बर्फ हिमकण के रूप में होती है।

आचार संहिता में एक्शन में चुनाव आयोग, नेताओं के सगे–संबंधी अधिकारियों का तबादला

नई दिल्ली ।लोकसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने फिर बड़ा एक्शन लिया है। चुनाव आयोग ने चार राज्यों में बड़ी प्रशासनिकी सर्जरी की है। और नॉन कैडर वाले डीएम–एसपी का तबादला किया है। चुनाव आयोग ने गुजरात, पंजाब, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) के रूप में नेतृत्व पदों पर तैनात गैर–कैडर अधिकारियों के लिए स्थानांतरण आदेश जारी किया है। बता दें कि जिले में डीएम और एसपी का पद क्रमश: भारतीय प्रशासनिक और भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों के लिए है।इतना ही नहीं, चुनाव आयोग ने असम और पंजाब में नेताओं के सगे–संबंधी आईपीएस का भी तबादला कर दिया है।इस बाबत चुनाव आयोग ने आदेश जारी कर दिया है। आदेश के मुताबिक, पंजाब में बठिंडा के एसएसपी और असम में सोनितपुर के एसपी का तबादला किया गया है। नेताओं के सगे–संबंधियों के अधिकारियों को सीधे चुनाव कार्यों में जुड़े होने की वजह से चुनाव आयोग ने यह फैसला लिया है। जिन अधिकारियों के लिए ट्रांसफर ऑर्डर जारी हुआ है, उनमें गुजरात के छोटा उदयपुर और अहमदाबाद ग्रामीण जिलों के एसपी हैं।इतना ही नहीं, पंजाब में पठानकोट, फाजिल्का, जालंधर ग्रामीण और मलेरकोटला जिलों के एसएसपी भी शामिल हैं।वहीं, ढेंकनाल के डीएम और ओडिशा में देवगढ़ और कटक ग्रामीण के एसपी और पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर, झाड़ग्राम, पूर्व बर्धमान और बीरभूम जिलों के डीएम भी इसमें शामिल हैं।इसके अतिरिक्त, चुनाव आयोग ने पंजाब में एसएसपी बठिंडा और असम में एसपी सोनितपुर को ट्रांसफर करने का भी निर्देश दिया है।

जयपुर में आग से तीन बच्चों समेत पांच की मौत

– सभी मृतक बिहार के मधुबनी के रहने वाले एक ही परिवार के थे

जयपुर।जयपुर में विश्वकर्मा के जैसल्या गांव में एक मकान में भीषण आग लगने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि मरने वाले बिहार के मधुबनी के रहने वाले थे। आग लगने के कारणों का अभी खुलासा नहीं हो सका है। सूचना मिलने के बाद पुलिस व एफएसएल टीम मौके पर पहुंच गई। जानकारी के अनुसार जयपुर के जैसल्या गांव में मधुबनी बिहार का एक परिवार किराए पर रहता था। रात खाना कर परिवार सोने चला गया। रात परिवार जब सो रहा तभी अनाचक घर में आग लग गई।आग इतनी भयानक थी कि परिवार को बाहर निकलने का मौका भी नहीं मिला।आग से बचने के लिए परिवार के सभी एक कोने में चले गए और जिंदा जल गए।आग को देख पड़ोसियों ने फायर बिग्रेड को सूचना दी।सूचना पाते ही फायर टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।लेकिन तब तक देर हो चुकी थी और आग की चपेट में आने से तीन मासूम बच्चों समेत पूरे परिवार की मौत हो गई।आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। सभी मृतक बिहार निवासी बताए जा रहे हैं।फायर बिग्रेड के कर्मचारियों ने जले हुए शवों को बाहर निकाला।ऐसा मंजर देखने वालों के मुंह से आह और आंसू निलक पड़े।शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। एफएसएल की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरु कर दी है। आग के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने घटना पर दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, जयपुर के विश्वकर्मा में भीषण आग की चपेट में आने से 3 बच्चों समेत पांच लोगों के असामयिक मौत समाचार हृदय विदारक है।परमात्मा दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान व परिजनों को यह दुख सहने की शक्ति दे और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। घायलों को समुचित उपचार सुविधा उपलब्ध कराने हेतु निर्देश भी दिए गए हैं।

महाराष्ट्र में अचानक शरद पवार के इर्द-गिर्द घूमने लगे कई नेता,सियासी घमासान शुरु

मुंबई (एजेंसी)। बीड जिले के राकांपा नेता बजरंग सोनावणे पुणे में एक कार्यक्रम में राकांपा (शरदचंद्र पवार) में शामिल हो गए। सोनावणे पार्टी के विभाजन के दौरान अजित पवार के साथ चले गए थे। बीड से भाजपा द्वारा पंकजा मुंडे को मैदान में उतारने से नाराज सोनावणे ने पाला बदल लिया। बता दें कि महाराष्ट्र की 48 सीट के लिए लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से 20 मई के बीच पांच चरणों में होंगे। मतों की गिनती चार जून को होगी। दरअसल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), शिवसेना (एकनाथ शिंदे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) के 'महायुति' (गठबंधन) के बीच सीट बंटवारे की डील लगभग तय हो चुकी है। ऐसे में कई नेताओं को लग रहा है कि उन्हें टिकट नहीं मिल पाएगा। इसी डर से अब उन्होंने विपक्षी खेमे के साथ संपर्क साधना शुरू कर दिया है। पवार ने कहा कि उनकी पार्टी बीड उम्मीदवार को अंतिम रूप देने से पहले चर्चा करेगी। उन्होंने कहा, ÷सीट के लिए मतदान चौथे चरण में है और निर्णय लेने के लिए अभी भी कुछ समय है। पार्टी की समिति उम्मीदवार का फैसला करेगी और सोनावणे ने कहा है कि वह इस फैसले को स्वीकार करेंगे। वह पिछला चुनाव मामूली अंतर से हार गए थे। हालांकि वे बीड में पार्टी को मजबूत करने की दिशा में काम करने के लिए सहमत हो गए हैं।सोनावणे ने 2019 में भाजपा की प्रीतम मुंडे के खिलाफ राकांपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। उन्होंने कहा, मैं हार गया, लेकिन मुझे पांच लाख से अधिक वोट मिले थे। हाल ही में, मेरे कार्यकर्ताओं को लगने लगा था कि उन्हें (एनसीपी में विभाजन के बाद) समान सम्मान नहीं मिल रहा है, और इसलिए, मैंने पवार साहब के साथ जुड़ने का फैसला किया। राष्ट्रीय समाज पक्ष के संस्थापक महादेव जानकर भी बुधवार सुबह पुणे में पवार के आवास पर गए। उन्होंने 2019 में बारामती से पवार की बेटी सुप्रिया सुले के खिलाफ पिछला लोकसभा चुनाव लड़ा था। अब वे भाजपा के रणजीतसिंह नाइक निंबालकर के खिलाफ एमवीए उम्मीदवार के रूप में माढ़ा सीट से लड़ना चाहते हैं। उन्होंने दावा किया कि शरद पवार ने उन्हें सकारात्मक रहने का आश्वासन दिया है।इससे पहले, भाजपा द्वारा अहमदनगर से सुजय विखे पाटिल को महायुति उम्मीदवार के रूप में नामित किए जाने के बाद, पारनेर विधायक नीलेश लंके समर्थकों के एक बड़े समूह के साथ पवार से मिलने पुणे आए थे।

बाबा और आचार्य बालकृष्ण ने सुप्रीम कोर्ट से माफी मांगी

नई दिल्ली ।पतंजलि आयुर्वेद के एमडी और योग गुरु बाबा रामदेव के सहयोगी आचार्य बालकृष्ण ने अपने उत्पादों और उनकी औषधीय प्रभावकारिता के बारे में कंपनी के भ्रामक दावों को लेकर सुप्रीम कोर्ट से माफी मांगी है। यह हलफनामा बुधवार को दायर किया गया था, जिसके एक दिन बाद अदालत ने भ्रामक विज्ञापनों पर अवमानना नोटिस का जवाब नहीं देने के लिए पतंजलि आयुर्वेद को कड़ी फटकार लगा दी थी। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच ने बालकृष्ण और रामदेव को 2 अप्रैल को कोर्ट में पेश होने को कहा था।अदालत में दायर हलफनामे में आचार्य बालकृष्ण ने कहा है कि वह कानून के शासन का सबसे अधिक सम्मान करते हैं। उन्होंने अयोग्य माफी मांगते हुए कहा कि कंपनी सुनिश्चित करेगी कि भविष्य में इसतरह के विज्ञापन जारी न किए जाएं।आचार्य बालकृष्ण ने स्पष्ट कर दिया कि कंपनी का इरादा केवल देश के नागरिकों को पतंजलि के उत्पादों का उपभोग करके स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करना है। बाबा रामदेव और बालकृष्ण द्वारा 2006 में स्थापित, पतंजलि आयुर्वेद एक बहुराष्ट्रीय कंपनी है, जो आयुर्वेदिक दवाओं से लेकर सौंदर्य उत्पादों से लेकर खाद्य पदार्थों तक उत्पादों की एक लंबी सूची बनाती है। बता दें कि यह समूह अपने उत्पादों की प्रभावकारिता के बारे में भ्रामक विज्ञापनों को लेकर मुसीबत में फंस गया है।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट की दो टूक कहा- अव्यवस्था फैलेगी हम दखल नहीं देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)।लोकसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले नियुक्त हुए दो चुनाव आयुक्तों का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। इस मामले में शीर्षस्थ न्यायालय ने दो टूक कहा कि हम इसमें दखल नहीं दे सकते, क्योंकि इससे अव्यवस्था फैल सकती है। इसी के साथ चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को बरकरार रखा है। बता दें कि हाल ही में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारियों ज्ञानेश कुमार और सुखबीर संधू को निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया गया।

मामले की सुनवाई के दौरान गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने यह भी पाया कि दोनों चुनाव आयुक्तों ज्ञानेश कुमार और सुखबीर संधी के खिलाफ कोई आरोप नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस चरण में हम दखल नहीं देंगे. चुनाव आ रहे हैं, ऐसे में दखल देने पर अव्यवस्था फैल जाएगी। बता दें कि अनूप चंद्र पांडे के 14 फरवरी को सेवानिवृत्त होने और आठ मार्च को अरुण गोयल के अचानक इस्तीफे के बाद निर्वाचन आयोग में ये पद खाली हो गए थे, जिसके बाद दोनों की नियुक्ति हुई थी। हालांकि, याचिका खारिज करने से पहले सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल उठाया था। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा कि दो घंटे में 200 लोगों की स्क्रीनिंग कैसे हो गई? जस्टिस दीपांकर दत्ता ने एसजी से पूछा कि क्या नेता प्रतिपक्ष को समय नहीं देना चाहिए था? 200 नामों के लिए उनको सिर्फ दो घंटे क्यों दिएज्पारदर्शिता सिर्फ होना ही नहीं दिखना भी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा कि जो अभी चुनाव आयुक्त नियुक्त हुए हैं, उन पर याचिकाकर्ताओं ने कोई सवाल नहीं उठाया है। वो सवाल प्रकिया को लेकर उठा रहे हैं और उनकी इस दलील में दम है। आपको ध्यान रखना चाहिए कि चयन समिति के सदस्यों को योग्य नाम पर विचार के लिए पर्याप्त मौका मिल जाए।

73 सालों से ऐसा हो रहा, अब क्यों हुई परेशानी

केंद्र सरकार ने कहा है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए चयन समिति में न्यायिक सदस्य की मौजूदगी चुनाव आयोग की स्वतंत्रता के लिए जरूरी नहीं है। पिछले 73 साल से देश में चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति तो केंद्र सरकार द्वारा ही हो रही थी, तो अब नई नियुक्ति पर विवाद क्यों किया जा रहा है। इसके साथ ही दो चुनाव आयुक्तों की हालिया नियुक्ति का बचाव किया गया है। प्रधानमंत्री, उनकी कैबिनेट के एक सहयोगी और विपक्ष के नेता के एक पैनल ने 14 मार्च को सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू को चुनाव आयुक्त नियुक्त किया था। केंद्र सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामे में कहा है कि पिछले 73 साल से देश में चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति तो केंद्र सरकार द्वारा ही हो रही थी, तो अब नई नियुक्ति पर विवाद क्यों किया जा रहा है। इसके साथ ही दो चुनाव आयुक्तों की हालिया नियुक्ति का बचाव किया गया है। प्रधानमंत्री, उनकी कैबिनेट के एक सहयोगी और विपक्ष के नेता के एक पैनल ने 14 मार्च को सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू को चुनाव आयुक्त नियुक्त किया था।

राहुल चुनाव प्रचार से दूरी बनाए तो कांग्रेस को कुछ सीट मिल जाएं: रीजीजू

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' को लेकर एजेंसी को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि राहुल गांधी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान जहां भी गए हैं कांग्रेस वहां की सारी सीट हार जाएगी क्योंकि उन्हें कोई गंभीरता से नहीं लेता। अगर राहुल गांधी लोकसभा चुनाव में प्रचार से दूरी बनाते हैं तो संभावना है कि कांग्रेस को कुछ सीट मिल जाएं। रीजीजू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ राहुल गांधी के बयानों को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस तरह का बयान उनके अंदर पीएम मोदी को लेकर भरी कटुता दर्शाता है। रीजीजू ने दावा किया कि राहुल गांधी का दिल, आत्मा और शरीर पीएम मोदी और बीजेपी के खिलाफ नफरत से भरे हुए हैं, जो उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। राहुल गांधी को मोदी पसंद नहीं हैं क्योंकि पीएम मोदी बहुत ही साधारण और गरीब परिवार से आते हैं। राहुल गांधी और उनके समर्थक इसको पचा नहीं पा रहे कि एक गरीब आम आदमी प्रधानमंत्री कैसे बन गया। उन्होंने कहा कि मोदी अपनी योग्यता और जनता के प्यार और आशीर्वाद से ही प्रधानमंत्री चुने गए हैं। अरुणाचल प्रदेश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव 19 अप्रैल को एक साथ होंगे। राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का भाजपा की चुनावी संभावनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा और एनडीए बड़े बहुमत से लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करेगा।इस बार भी मोदी सरकार करेगी 400 का आकड़ा पार।

174 साल के इतिहास में सबसे गर्म साल रहा 2023

नईदिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में बढ़ते तापमान ने डराना शुरू कर दिया है। 2023 पिछले 123 सालों में भारत के लिए दूसरा सबसे गर्म साल रहा है। 1901 में मौसम का रिकॉर्ड रखने के बाद भारत में यह दूसरा सबसे गर्म साल रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने कहा कि 2023 सबसे गर्म वर्ष रहा। इस दौरान 12 महीनों में औसत तापमान महत्वपूर्ण 1.5ए सेल्सियस के करीब पहुंच गया और यह गर्म होने का सिलसिला इस साल के पहले दो महीनों में भी जारी रहा।

स्टेट ऑफ क्लाइमेट रिपोर्ट में बताया गया है कि 2023 में दुनिया भर में जमीन का औसत तापमान 1850-1900 के औसत से 1.45 ह 0.12 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था। जब से मौसम का रिकॉर्ड रखा जा रहा है तबसे ये सबसे ज्यादा गर्म साल रहा है। यानी 174 साल के इतिहास में सबसे गर्म साल। इसके अलावा, इस साल ग्रीनहाउस गैस के स्तर, समुद्र के गर्म होने, समुद्र के जलस्तर में वृद्धि, अंटार्कटिका के समुद्री बर्फ के कम होने और ग्लेशियर के पीछे हटने सहित सभी जलवायु संकेतकों के रिकॉर्ड टूट गए। विश्व मौसम संगठन के महासचिव सिस्टर कैथरीन सौलो ने दुनिया को चेतावनी देकर कहा है कि हालांकि अभी अस्थायी रूप से ही सही, लेकिन हम जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते की 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा के इतने करीब कभी नहीं आए हैं। गौरतलब है कि दुनिया भर के देश इस सदी के अंत तक वैश्विक औसत तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा के भीतर रखने का प्रयास कर रहे हैं। सिस्टर सौलो ने कहा कि जलवायु परिवर्तन सिर्फ तापमान बढ़ने से जुड़ा नहीं है। साल 2023 में हम लोगों ने जो देखा, खासकर समुद्र का अब तक का रिकॉर्ड गर्म होना, ग्लेशियरों का पीछे हटना और अंटार्कटिका के समुद्री बर्फ का कम होना, ये सब बहुत चिंता की बात है। भारत मौसम विभाग ने जनवरी में बताया था कि 2023 में भारत में जमीन की सतह पर हवा का औसत सालाना तापमान दीर्घकालिक औसत (1981-2010 की अवधि) से 0.65ए सेल्सियस ज्यादा था। यह रिकॉर्ड रखने के बाद से दूसरा सबसे गर्म साल रहा। देश में सबसे ज्यादा गर्मी 2016 में पड़ी थी, तब तापमान में 0.71ए सेल्सियस का अंतर देखा गया था।

ये कैसी डील: भाजपा राज ठाकरे को नहीं देगी एक भी लोकसभा सीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के चलते माना जा रहा था कि भाजपा को महाराष्ट्र में एक ऐसे साथी की तलाश है जो उद्धव ठाकरे का विकल्प बन सके। चर्चा आगे बढ़ी और महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे ने बिना देरी किए केंद्रीय मंत्री अमित शाह से मुलाकात भी कर ली। सियासी गलियारों में हल्ला मच गया कि अब भाजपा के पास ठाकरे की ताकत होगी। इस तरह के तमाम कयासों के बीच अब खबर आ रही है कि भारतीय जनता पार्टी, राज ठाकरे को महाराष्ट्र में एक भी सीट देने को तैयार नहीं है। अब सवाल है कि आखिर ये कैसी डील हो रही है। राज ठाकरे ने वर्ष 2006 में अविभाजित शिवसेना से अलग होकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना नामक पार्टी की स्थापना की थी। इससे पहले चर्चा थी कि अगर भाजपा और एमएनएस के बीच गठबंधन पर मुहर लग जाती है, तो एमएनएस को मुंबई से चुनाव लड़ने के लिए एक सीट दिया जा सकता है। इस बीच, एमएनएस के नेता बाला नंदगांवकर ने कहा कि पार्टी राज ठाकरे के निर्देश पर लोकसभा चुनाव लड़ेगी।

बीते दिनों से महाराष्ट्र की राजनीति में सत्ताधारी एनडीए गठबंधन महायुति में महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे को भी शामिल करने की चर्चा जोरों पर है। इस सिलसिले में राज ठाकरे ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात भी की है। माना जा रहा था कि लोकसभा चुनाव में राज ठाकरे भी एनडीए के बैनर तले चुनाव लड़ेंगे लेकिन अब कहा जा रहा है कि भाजपा राज ठाकरे को लोकसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं देने जा रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भाजपा राज ठाकरे को लोकसभा चुनावों में एक भी सीट की पेशकश नहीं करने जा रही है लेकिन उसे आगामी महाराष्ट्र विधानसभा और बीएमसी चुनावों में भाजपा उचित सीट देगी। इसके बदले में राज ठाकरे को लोकसभा चुनावों के दौरान एनडीए के पक्ष में चुनाव प्रचार करना होगा और 400 पार के लक्ष्य को साधने के लिए मराठी वोट जुटाने होंगे। राज ठाकरे को एक कुशल वक्ता माना जाता है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे के बीच बातचीत सकारात्मक रही और अगले कुछ दिनों में तस्वीर साफ हो जाएगी। फडणवीस ने शाह और राज ठाकरे के बीच हुई इस मुलाकात को लेकर पूछे गए सवालों के जवाब में कहा, ''राज ठाकरे ने दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात की। इस पर तुरंत कोई टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी। अगले कुछ दिनों में तस्वीर साफ हो जाएगी और हम आपको विस्तार से जानकारी देंगे।'' बारामती (पुणे जिला) और माधा (सोलापुर जिला) जैसी प्रमुख लोकसभा सीट के लिए सत्तारूढ़ महायुति के सीट-बंटवारे के फॉर्मूले पर फडणवीस ने कहा, ''बारामती हो या माधा, सबका लक्ष्य सीट जीतना और नरेन्द्र मोदी को फिरी से प्रधानमंत्री बनाना है।'' राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार का नाम राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) से संबंधित सुप्रिया सुले के खिलाफ तय होने की उम्मीद है। हालांकि, भाजपा के सहयोगी दलों के कुछ स्थानीय नेताओं ने सुनेत्रा पवार की उम्मीदवारी पर अपना विरोध व्यक्त किया है।

उलझन में भाजपा: वरुण और मेनका गांधी को कहां से लड़ाएं चुनाव?

सुलतानपुर (एजेंसी)। मिशन-24 को फतह करने के लिए भाजपा माइक्रो लेवल पर काम कर रही है। हर एक सीट पर उम्मीदवार की जमीनी हकीकत को परखकर ही मैदान में उतारा जा रहा है। खासतौर से उत्तर प्रदेश में सभी 80 सीटें भाजपा के स्कैनर से निकल रहीं है। जब पीलीभीत, सुलतानपुर और रायबरेली को लेकर चिंतन और मंथन किया गया तो पता चला कि इस बार मेनका गांधी और उनके बेटे वरुण गांधी की सीटें बदली जा सकती हैं।

सबसे पहले बात करते हैं रायबरेली सीट की। यहां से पिछली बार कांग्रेस से सोनिया गांधी सांसद चुनी गई थीं। इस बार उन्होंने खुद को किनारे कर लिया और उम्मीद है कि राज्यसभा के जरिए उनकी सदन में इंट्री होगी। सोनिया गांधी की जगह कौन लेगा,इसको लेकर कांग्रेस ने फिलहाल किसी का नाम तय नहीं किया है। ऐसे में भाजपा इस सीट को झटकने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है। तमाम उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा होने के बाद भाजपा को सबसे खरे उम्मीदबार वरुण गांधी ही दिखाई दे रहे हैं। वजह ये है कि रायबरेली के सभी मापदंडों पर वरुण गांधी सटीक बैठ रहे हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, पीलीभीत से इनके नाम पर न नुकुर करने वाले नेताओं को यह सुझाव बेहतर विकल्प नजर आ रहा है। वरुण को रायबरेली शिफ्ट कर कांग्रेस के किले को ध्वस्त करने की रणनीति तैयार हो रही है।पार्टी सूत्रों का कहना है कि यदि कांग्रेस से गांधी परिवार का कोई सदस्य चुनाव मैदान में नहीं उतरा तो वरुण भी रायबरेली के नाम पर हामी भर सकते हैं।

कुल मिलाकर मेनका गांधी को पीलीभीत तो वहां से वरुण गांधी रायबरेली भेजे जा सकते। वहीं, सुलतानपुर सीट पर इस बार स्थानीय प्रत्याशी उतारने की तैयारी है। भाजपा में भीतरखाने इस बात की चर्चा तेज हो गई है। इस चर्चा को कई कोण से बल भी मिलता नजर आ रहा है, लेकिन सही तस्वीर 22 मार्च तक सामने आने की उम्मीद है। लगातार दो चुनावों में भाजपा सुलतानपुर सीट पर अपराजेय रही। 2014 के चुनाव में यहां से वरुण गांधी तो 2019 में उनकी मां मेनका गांधी सांसद बनीं। इस बार भाजपा जीत की हैट्रिक लगाने की फिराक में है। कई स्तरों पर हुए सर्वे के बाद यह सीट पार्टी के लिए मजबूत मानी जा रही है। ऐसे में यहां से किसी नए और स्थानीय चेहरे को मौका देने की तैयारी है। इसमें वरियता कुर्मी बिरादरी के दावेदार को मिलने के आसार हैं।

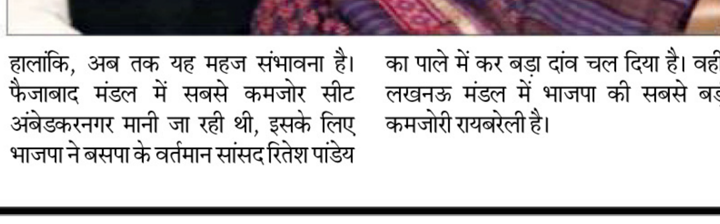

हालांकि, अब तक यह महज संभावना है। फैजाबाद मंडल में सबसे कमजोर सीट अंबेडकरनगर मानी जा रही थी, इसके लिए भाजपा ने बसपा के वर्तमान सांसद रितेश पांडेय का पाले में कर बड़ा दांव चल दिया है। वहीं, लखनऊ मंडल में भाजपा की सबसे बड़ी कमजोरी रायबरेली है।

आईपीएल-2024 : आज से आगाज

फाफ-गायकवाड़ की टीमें भिड़ेंगी

सीएसके-आरसीबी के रोचक आंकड़े

नई दिल्ली। आईपीएल के 17वें सीजन की शुरुआत होने में अब महज एक दिन शेष रह गया है। शुक्रवार को पहले मुकाबले में गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का सामना रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु (आरसीबी) से होगा। दोनों टीमों ने इस मैच के लिए पूरी तैयारियां कर ली हैं। सीएसके और आरसीबी की टीम में दिग्गज खिलाड़ी मौजूद हैं और दोनों के ही पास विदेशी खिलाड़ियों का अच्छा पूल है। दोनों ही टीमें जीत के साथ इस सीजन की शुरुआत करना चाहेंगी, ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि सीएसके कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसिस प्लेइंग इलेवन में किसे मौका देते हैं।

आंकड़ों में सीएसके का पलड़ा भारी

▪ सीएसके और आरसीबी के बीच आईपीएल इतिहास में अब तक कुल 31 मैच खेले गए हैं। जिसमें सीएसके ने 20 मैच जीते हैं, जबकि आरसीबी की टीम 10 मैच ही जीत सकी है। दोनों टीमों के बीच एक मुकाबला बेनतीजा रहा है। इस तरह सीएसके का पलड़ा आरसीबी की तुलना में भारी है।

घरेलू मैदान का सीएसके को फायदा

▪ गायकवाड़ की अगुआई वाली सीएसके की टीम अपने घरेलू मैदान एमए चिदंबरम स्टेडियम पर इस सीजन का पहला मैच खेलेगी। सीएसके को उसके होम ग्राउंड पर हराना किसी भी टीम के लिए हमेशा ही चुनौतीपूर्ण होता है। सीएसके की विशेषता है कि वो घरेलू परिस्थितियों को देखकर ही टीम का चयन करती है जिसमें स्पिन गेंदबाजों को प्लेइंग इलवेन में रखा जाता है।

अभी तक आखिरी मैच सीएसके बनाम आरसीबी

▪ आईपीएल में अभी तक CSK और आरसीबी का आखिरी मैच 17 अप्रेल, 2023 को बेंगलुरु को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला गया था। उस मुकाबले में चेन्नई ने पहले खेलते हुए 6 विकेट के नुकसान पर 226 रनों का पहाड़ सा स्कोर खड़ा कर दिया था। डेवोन कॉनवे ने 45 गेंद में 83 रन और अजिंक्य रहाणे ने 20 गेंद में 37 रन की पारी खेली थी।

सीएसके ने जीते पांच में से चार मुकाबले

▪ सीएसके का प्रदर्शन आरसीबी के खिलाफ कितना शानदार रहा है उसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दोनों टीमों के बीच 2021 से 2023 तक खेले गए पिछले पांच मैचों में से सीएसके ने चार मैच जीते हैं, जबकि आरसीबी ने एक मैच में जीत का स्वाद चखा है। 2021 सीजन में दोनों टीमों के बीच दो मैच खेले गए और दोनों ही मैच में धोनी की टीम जीती। इसके बाद 2022 में भी सीएसके और आरसीबी के बीच दो मैच खेले गए। जिसमें से एक मैच सीएसके ने जीता जबकि दूसरे मुकाबले में आरसीबी बाजी मारने में सफल रही। दोनों टीमों के बीच पिछले सीजन में एक ही मैच खेला गया और इस मुकाबले में सीएसके ने आरसीबी को आठ रन से हराया था।

फाफ के साथ ओपनिंग करेंगे कोहली

▪ आरसीबी के पास दिग्गज बल्लेबाज मौजूद हैं। ऐसे में यह जानना दिलचस्प होगा कि पूर्व कप्तान विराट कोहली क्या इस सीजन में भी फाफ डुप्लेसिस के साथ ओपनिंग करने आएंगे। पिछले सीजन में इनकी ओपनिंग जोड़ी काफी हिट रही थी और इसकी संभावना प्रबल है कि कोहली और डुप्लेसिस की जोड़ी ही आरसीबी के लिए पारी का आगाज करेगी। मध्य क्रम में टीम के पास ग्लेन मैक्सवेल, सुयश प्रभुदेसाई, रजत पाटीदार और दिनेश कार्तिक जैसे बल्लेबाज मौजूद हैं। इसके अलावा आरसीबी ने मुंबई इंडियंस से कैमरन ग्रीन को भी ट्रेड किया था।

कॉन्वे की जगह रचिन कर सकते ओपनिंग

▪ सीएसके की टीम में चोटिल डेवॉन कॉन्वे नहीं रहेंगे लेकिन गायकवाड़ की टीम के पास न्यूजीलैंड के युवा सलामी बल्लेबाज रचिन रवींद्र मौजूद हैं और पूरी उम्मीद है कि रचिन कॉन्वे की जगह ओपनिंग का जिम्मा संभालेंगे। सीएसके को श्रीलंका के मथीशा पथिराना की भी सेवाएं नहीं मिल सकेंगी जिसका मतलब गायकवाड़ इस मैच में मुस्ताफिजुर रहमान को मौका दे सकते हैं।

गायकवाड़ को सीएसके की कमान

आईपीएल 2024 के शुरू होने से ठीक पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने अपना कप्तान बदल दिया था। पिछले साल महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में टीम ने खिताब जीता था। धोनी 42 साल के हो चुके हैं। ऐसे में फ्रेंचाइजी ने उनकी जगह नए कप्तान का ऐलान कर दिया है। सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ टीम के नए कप्तान होंगे। वह भारतीय टीम की कप्तानी भी कर चुके हैं। चेन्नई को सीजन का पहला मैच 22 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेलना है।

रुतुराज को भी कप्तानी का अनुभव

ऋतुराज गायकवाड़ ने भले ही आईपीएल में कप्तानी नहीं की है लेकिन उनके पास भारत की कप्तानी करने का अनुभव है। एशियन गेम्स में भारत ने उनकी ही कप्तानी में गोल्ड मेडल जीता था। वह घरेलू क्रिकेट में महाराष्ट्र की भी कप्तानी करते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स में वह पहली बार 2020 सीजन में शामिल हुए थे। तब उनकी सैलरी 20 लाख रुपए थे। आईपीएल 2024 से पहले फ्रेंचाइजी ने 6 करोड़ रुपए में उन्हें रिटेन किया था।

संभावित एकादश

चेन्नई सुपर किंग्सः रचिन रवींद्र, ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), अजिंक्य रहाणे, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, डेरिल मिशेल, महेंद्रसिंह धोनी, मिशेल सैंटनर, शार्दुल ठाकुर, दीपक चाहर, मुस्ताफिजुर रहमान।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरुः विराट कोहली, फाफ डुप्लेसिस (कप्तान), रजत पाटीदार, ग्लेन मैक्सवेल, सुयश प्रभुदेसाई, दिनेश कार्तिक, कैमरन ग्रीन, महिपाल लोमरोर, रीस टॉप्ली, मोहम्मद सिराज, करन शर्मा।

▶▶ विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी आमने-सामने

▪ इंडियन प्रीमियर लीग का 17वां सीजन 22 मार्च से शुरू हो रहा है। सीजन का पहला मैच ही दक्षिण की दो बड़ी टीमों के बीच होने वाला है। चेन्नई सुपर किंग्स अपने घर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू को होस्ट करने वाली है। आरसीबी के लिए स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अहम होंगे क्योंकि उनका बल्ला चलने का मतलब है कि आरसीबी की टीम अच्छी स्थिति में होगी।

▶▶ लीग के सबसे सफल कप्तान महेंद्र सिंह धोनी

▪ महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल इतिहास के सबसे सफल कप्तान हैं। 2008 में चेन्नई सुपर किंग्स ने धोनी को 6 करोड़ रुपए में खरीदा था। वह सबसे महंगे खिलाड़ी थे और टीम ने अपना कप्तान भी बनाया। उन्होंने कुल 226 मैचों में कप्तानी की है और 133 जीत हासिल की। 91 मैच में उनकी टीम हारी और 2 मैच बेनतीजा रहे। इसमें राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स के मैच भी शामिल हैं। चेन्नई की बात करें तो उन्होंने 212 मैचों में कप्तानी की है और 128 मैच जीते हैं।

2036 ओलंपिक

ओलंपिक की मेजबानी को तैयार भारत : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ी भले ही इस साल जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में जुटे हों, लेकिन भारत सरकार ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि भारत 2030 में यूथ ओलंपिक और 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

खेलों के लिए भारत से बड़ा बाजार नहीं

अनुराग ठाकुर ने एक कार्यक्रम में कहा कि जिस पल इसके लिए बोली शुरू होगी, भारत ओलंपिक की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार रहेगा। उन्होंने कहा, हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति हैं और हम उन देशों में हैं जहां युवाओं की ताकत काफी है। खेल के लिए भारत से बड़ा बाजार और कोई नहीं है।

विदेशी प्रशंसकों ने की थी धर्मशाला स्टेडियम की तारीफ

▪ खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि हाल ही में भारत और इंग्लैंड के बीच धर्मशाला में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच को देखने के लिए इंग्लैंड से चार हजार से ज्यादा विदेशी प्रशंसक आए थे और उन्होंने यहां मौजूद इस खूबसूरत स्टेडियम की सराहना की थी। इस साल जुलाई-अगस्त में ओलंपिक का आयोजन फ्रांस के पेरिस शहर में आयोजित होगा। इसके लिए वहां तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इसके बाद इन खेलों की मेजबानी 2028 में लॉस एंजिल्स और 2032 में ब्रिसबेन को करनी है।

शुरुआती मैचों में नहीं खेलेंगे डेविड विली

नई दिल्ली। इंग्लैंड के बायें हाथ के तेज गेंदबाज डेविड विली आईपीएल 2024 की शुरुआत में नहीं खेल पाएंगे, उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलना था लेकिन निजी कारणों से उन्होंने नाम वापस ले लिया। पिछले दो आईपीएल सीजन में वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का हिस्सा थे और उन्हें इस साल एलएसजी के लिए खेलना था, जहां दिसंबर में हुई नीलामी में उन्हें दो करोड़ में खरीदा गया था। लेकिन एलएसजी के नए प्रमुख कोच जस्टिन लैंगर ने बुधवार को बताया कि विली सीजन की शुरुआत में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि वह दो पिछले दो महीनों से लगाकार अबु धाबी नाइटराइडर्स और मुल्तान सुल्तांस के लिए खेले थे। विली की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को अभी नहीं चुना है और वह टूर्नामेंट के बीच में भारत पहुंच सकते हैं। लेकिन वह इंग्लिश समर से ही घर से दूर रहे थे, जहां वह भारत में वनडे विश्व कप खेले बाद में फ्रैंचाइजी क्रिकेट। सोमवार को पीएसएल फाइनल खेलने के बाद वह स्वदेश लौट गए। विली एलएसजी के लिए दूसरे इंग्लैंड के खिलाड़ी होंगे जो अनुपलब्ध होंगे। इससे पहले टी20 विश्व कप को देखते हुए कार्य प्रबंधन की वजह से ईसीबी ने मार्क वुड को खेलने से मना कर दिया था।

अयोध्या के राम मंदिर में केशव महाराज ने की पूजा अर्चना

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर केशव महाराज का एक फोटो तेजी से वायरल हो रहा है। साउथ अफ्रीकी क्रिकेटर केशव महाराज अयोध्या स्थित राम मंदिर पहुंचे। जहां साउथ अफ्रीकी क्रिकेटर ने पूजा अर्चना की और भगवान राम का आशीर्वाद लिया। दरअसल, इससे पहले भी केशव महाराज भारत के कई मंदिरों में जाते रहे हैं। अब इस क्रिकेटर ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में पूजा अर्चना की। बहरहाल, सोशल मीडिया पर केशव महाराज का फोटो तेजी से वायरल हो रहा है। इसके अलावा सोशल मीडिया यूजर्स लगातार कमेंट्स कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

ऋषभ पंत अपने शरीर का भरोसा जीतने के लिए कर रहे हैं अतिरिक्त मेहनत : रिकी पोंटिंग

दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने गुरुवार को कहा कि कप्तान ऋषभ पंत भयानक दुर्घटना के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले अपने शरीर का भरोसा जीतने के लिए अतिरिक्त मेहनत कर रहे हैं।

भारतीय विकेटकीपर पंत दिसंबर 2022 में सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे जिसके कारण वह पिछले साल आईपीएल में नहीं खेल पाए थे। पोंटिंग ने कहा,''वह पूर्व में आईपीएल से पहले जितनी बल्लेबाजी करता था उसकी तुलना में उसने पिछले सप्ताह काफी अधिक बल्लेबाजी की। मुझे लगता है कि वह फिर से अपने शरीर का भरोसा जीतना चाहता है। ''

उन्होंने कहा,''वह अलग-अलग तरह से अभ्यास कर रहा है और उन सब शॉट को खेल रहा है जिन्हें वह खेला करता था। वह कभी हार नहीं मानने वाला खिलाड़ी है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसके चेहरे पर मुस्कान है जिसे हम सभी देखना पसंद करते हैं।

पोंटिंग ने कहा,''वह पूर्व में आईपीएल से पहले जितनी बल्लेबाजी करता था उसकी तुलना में उसने पिछले सप्ताह काफी अधिक बल्लेबाजी की। मुझे लगता है कि वह फिर से अपने शरीर का भरोसा जीतना चाहता है। ''

बालाजी कन्सट्रक्शन कम्पनी

शॉप नं0 14, ओम कॉम्प्लेक्स, नया बॉस, सेक्टर-15, नोएडा (गौतमबुद्धनगर)

फोन- 0120- 2321857
मो0- 9811082962

सारा अली खान का जवाब

'मंदिर-मस्जिद मेरी चॉइस'

सारा अली खान अपनी फिल्म 'ए वतन मेरे वतन' को लेकर सुर्खियों में हैं। ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो चुकी है। सारा अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। सारा के धर्म को लेकर हमेशा से सवाल उठाया जाता है। सारा अपने सरनेम में अली खान लगाती हैं मगर वो मंदिर जाती हैं। इसलिए वो हमेशा ट्रोल्स के निशाने पर रहती हैं। अब एक्ट्रेस ने उन्हें ट्रोल करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया है। सारा अली खान की मां अमृता सिंह हिंदू हैं और उनके पिता सैफ अली खान मुस्लिम हैं। इस वजह से सारा के सरनेम और धर्म को लेकर लोग कुछ ना कुछ कहते रहते हैं। सारा ने दिए इंटरव्यू में इस बारे में बात की है। सारा अली खान ने इंटरव्यू में कहा- 'मेरा जन्म धर्मनिरपेक्ष परिवार में हुआ है। गलत है उसके खिलाफ खड़े होने का जज्बा मेरे अंदर है। इसलिए, अगर मैं इसे सिर्फ मेरे साथ ही नहीं, बल्कि अपने आस-पास किसी के साथ भी होता हुआ देखूंगी, तो मैं उनके लिए खड़ी होउंगी।' सारा ने आगे कहा- 'मेरी धार्मिक मान्यताएं, मेरी फूड च्वाइस, मैं एयरपोर्ट कैसे जाने का फैसला लेती हूं, यह मेरा फैसला है, और मैं इसके लिए कभी माफी नहीं मांगूंगी।' सारा ने उनके धर्म पर सवाल उठाने वालों को सीधा जवाब दे दिया है कि उनकी मंदिर या मस्जिद सभी में आस्था है। ये उनकी च्वाइस है कि उन्हें कहा जाना है और कहां नहीं। वर्कफ्रंट की बात करें तो सारा अली खान की बैक टू बैक दो फिल्में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई हैं। 15 मार्च को सारा की मर्डर मुबारक रिलीज हुई थी। इस फिल्म में उनके साथ करिश्मा कपूर, विजय वर्मा, पंकज त्रिपाठी, माधुरी दीक्षित समेत कई बड़े कलाकार नजर आए हैं। वहीं सारा की रिलीज हुई ऐ वतन मेरे वतन के बारे में बात करें तो इसमें वो एक स्ट्रॉन्ग लेडी का किरदार निभाती नजर आईं हैं। ये फिल्म 21 मार्च को अमेजन प्राइम पर रिलीज हुई है।

फातिमा सना की एक्टिंग के कायल उनके फैंस

बॉलीवुड की मसहूर एक्ट्रेस फातिमा सना शेख को उनके बेहतरीन परफॉरमेंस के बावजूद सही पहचान नहीं मिलने पर फैंस ने किया रिएक्ट, पोस्ट शेयर कर उठाई आवाज। स्क्रीन पर उनकी परफॉर्मेंस और उनके टैलेंट को खुद-ब-खुद बयां करती है। फातिमा सना शेख एक ऐसी एक्ट्रेस हैं जो बचपन से ही अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा रही हैं। उनकी कमाल की परफॉर्मेंस ने हमेशा यह साबित किया है कि वह बेहद टैलेंटेड एक्ट्रेस हैं। वह हर बार दर्शकों के सामने अपनी परफॉरमेंस के साथ कुछ नया लेकर आती हैं और यह सुनिश्चित करती हैं कि वह खुद को साबित कर सकें कि वह एक शानदार कलाकार हैं। हालांकि, यह देखकर दुख होता है कि फातिमा को उनकी सही मान्यता नहीं मिल रही है। वह असल में बेहद टैलेंटेड हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि फातिमा जैसी प्रतिभा के लिए इंडस्ट्री तैयार नहीं है। उनकी परफॉर्मेंस को हमेशा नजरअंदाज किया जाता है, यह इंडस्ट्री द्वारा सही टैलेंट की पहचान किए जाने पर एक बड़ा सवाल उठता है। वो स्टार किड्स की रेस में नहीं हैं, लेकिन यह वह एक्टिंग के मामले में उनसे बहुत आगे हैं। लेकिन, उन्हें अभी तक कोई भी अवॉर्ड नहीं मिला है। इसमें कोई शक नहीं है कि, वो फिल्मफेयर और जी अवॉर्ड्स के लिए योग्य हैं, लेकिन लगता है कि ये अवॉर्ड्स ज्यादातर स्टार किड्स को बढ़ावा देने में व्यस्त हैं। भले ही इंडस्ट्री फातिमा के टैलेंट को नहीं पहचान रहा हो, लेकिन नेटिजन्स से एक्ट्रेस नहीं छुपी हैं और इसी वजह से इसने उनका ध्यान अपनी तरफ खींचा है।

अंकिता लोखंडे को पहले रोल फिर पैसा

बिग बॉस 17 फेम अंकिता लोखंडे हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं। एक्ट्रेस ने अपना करियर टीवी शो 'पवित्र रिश्ता' से शुरू किया था। इसके बाद से ही अंकिता की फैन फॉलोइंग बढ़ती चली गई। आज एक्ट्रेस किसी पहचान की मोहताज नहीं है। अंकिता लोखंडे ने टीवी के साथ-साथ बॉलीवुड में भी हाथ आजमाया है। अभी तक अंकिता लोखंडे को फैंस का भरपूर प्यार मिलता है। हाल ही में अंकिता लोखंडे अपने पति विक्की जैन संग रियलिटी शो बिग बॉस 17 में नजर आई थी। इस शो में कपल की आपस की लड़ाई काफी चर्चा में रहीं। हालांकि शो से बाहर आने के बाद दोनों ही साथ में खुश हैं और सोशल मीडिया पर अंकिता और विक्की एक-दूसरे पर प्यार लुटाते हुए नजर आते हैं।

अंकिता लोखंडे की 22 मार्च को फिल्म 'वीर सावरकर' रिलीज होने के लिए तैयार है, इस फिल्म में एक्टर रणदीप हुड्डा लीड रोल में हैं। हाल ही में फिल्म की रिलीज से पहले अंकिता का कहना है कि उनके लिए करियर में पैसा नहीं बल्कि रोल जरूरी है। उनके लिए पैसा हमेशा दूसरे नंबर आता है। मेरे लिए सबसे जरूरी वो किरदार होता है, जिसे मैं करना चाहती हूं। मैं कभी भी पैसे के पीछे नहीं भागी हूं। मैंने हमेशा पहले प्रोजेक्ट पर फोकस किया है। आज के समय में मैं शोज और फिल्में फ्री में करने के लिए भी तैयार हूं। मुझे खुशी होती है ये देखकर जब टीवी मेकर्स फीमेल एक्टर के लिए भी बजट बढ़ रहा है। आज टीवी महिलाओं के लिए काफी बेहतर हो चुका है।

ऋतिक-दीपिका की फाइटर ओटीटी पर स्ट्रीम

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन इस साल की शुरुआत में ही अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'फाइटर' के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचा चुके हैं। इस फिल्म में ऋतिक रोशन के साथ दीपिका पादुकोण भी लीड रोल में नजर आईं थीं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी कमाई से तहलका मचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। इस एरियल एक्शन सीक्वेंस फिल्म ने 212.62 करोड़ की जबरदस्त कमाई की थी। अगर आपने ये फिल्म बड़े पर्दे पर नहीं देखी है तो अब आप घर बैठे भी अब इस फिल्म का आनंद ले सकते हैं। बीते महीने से इस फिल्म के ओटीटी पर रिलीज होने की चर्चा जोरों शोरों पर थी। अब मेकर्स ने इस फिल्म के ओटीटी पर रिलीज होने की घोषणा कर दी है। नेटफ्लिक्स के आधिकारिक इंस्टग्राम हैंडल पर इस फिल्म को लेकर अपडेट दी गई है।

पलक की नजर में उसकी मां से ज्यादा सुंदर कोई नहीं

टीवी की फेमस एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी भी अब काफी चर्चा में रहती है। पलक ने 'बिजली' एल्बम से काफी सुर्खियां बटोरी थी। उन्होंने सलमान खान स्टारर फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। पलक की काफी बड़ी फैन फॉलोइंग है और ये यंग एक्ट्रेस हमेशा किसी ना किसी वजह से लाइलाइट बटोरती रहती हैं। चाहे फिर वह सलमान खान के रूढ़िवादी रवैये पर उनका बयान हो या इब्राहिम अली खान पटौदी के साथ डेटिंग की के रूमर्स की बात हो। श्वेता तिवारी की बेटी होने की वजह से पलक और श्वेता की तुलना अक्सर होती रहती है। इस पर जवाब देते हुए पलक ने कहा कि मुझे इस तरह की तुलना से कभी कोई परेशानी महसूस नहीं हुई क्योंकि जो कुछ भी कहा जा रहा था उस पर उन्होंने कभी ध्यान नहीं दिया। मुझे वो कभी प्रॉब्लम लगी ही नहीं। मैं अपनी मम्मी जितनी सुंदर नहीं हूं, हां ठीक है नहीं हूं, मुझे पता है। मुझे लगता है मेरी मम्मी से ज्यादा सुंदर कोई है नहीं। पलक तिवारी ने आगे कहा कि वह अपनी मां की सबसे बड़ी फैन हैं। मैं आपसे बड़ी फैन हूं अपनी मम्मी की तो आप क्या ही बोलेंगे? फिर बोलोगे, तुम अपनी मम्मी दितनी अच्छी एक्टर नहीं हो, हां तो मुझे 2 साल हुए हैं मुझे टाइम तो दो थोड़ा। फिर बाद में बात करेंगे। पर मुझे लगता है कि जो भी है, इतना बुरा नहीं है।" पलक ने आत्मविश्वास से कहा कि उन्हें लगता है कि उन्होंने अब तक अच्छा काम किया है। मैं बहुत खुश हूं कि मुझे अपनी मम्मी से इतना कुछ सीखने को मिलता है। और मैं एक्टिंग की बात नहीं कर रही हूं। वो जिंदगी में इतना सुलझी हुई औरत हैं, मुझे बस उनसे एक औरत बनना सीखना है।" श्वेता तिवारी टीवी इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस में से एक हैं। श्वेता के सोशल मीडिया पर भी लाखों फॉलोअर्स हैं।

'किस्मत बदल दी' गाने की झलक देखकर इमोशनल हुए फैंस

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने गुरुवार को अपने प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया जब उन्होंने अपनी नयी फिल्म योद्धा के एक नए ट्रैक 'किस्मत बदल दी' की एक झलक साझा की, जो मूल रूप से एमी विर्क और सरगुन मेहता अभिनीत 2018 पंजाबी फिल्म 'किस्मत' से है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने गुरुवार को अपने प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया जब उन्होंने अपनी नयी फिल्म योद्धा के एक नए ट्रैक 'किस्मत बदल दी' की एक झलक साझा की, जो मूल रूप से एमी विर्क और सरगुन मेहता अभिनीत 2018 पंजाबी फिल्म 'किस्मत' से है। इंस्टाग्राम पर उन्होंने ट्रैक डाला, जो फिल्म में अभिनेता के दर्द लेकिन मधुर यात्रा को दर्शाता है। फिल्म योद्धा 15 मार्च को रिलीज हुई थी।

मूल नंबर 2018 के रोमांटिक ड्रामा 'किस्मत' में दिखाया गया था और यह गाना एमी विर्क द्वारा गाया गया था और सरगुन मेहता को इसके संगीत वीडियो में दिखाया गया था। योद्धा सिद्धार्थ द्वारा निर्देशित एक्शन फ्रेंचाइजी का पहला भाग है। इसका निर्माण हीरू यश जौहर, करण जौहर, अपूर्व मेहता और शशांक खेतान ने संयुक्त रूप से किया है।

योद्धा के बारे में जानकारी

फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा, दिशा पटानी और राशि खन्ना जैसे कलाकार शामिल हैं। यह हाई-ऑक्टेन एक्शन पेश करता है और योद्धा टास्क फोर्स के कमांडिंग ऑफिसर अरुण कात्याल के नेतृत्व में बचाव अभियान पर आधारित है। इनके अलावा, फिल्म में रोनित रॉय, तनुज विरवानी, सनी हिंदुजा, कृतिका भारद्वाज, एसएम जहीर और कई अन्य लोग भी सहायक भूमिकाओं में हैं।

फिल्म का निर्माण हीरू यश जौहर, करण जौहर, अपूर्व मेहता और शशांक खेतान द्वारा किया गया है, जिसमें सागर अंब्रे को लेखक के रूप में श्रेय दिया गया है, साथ ही निर्देशक पुष्कर ओझा और सागर अंब्रे भी हैं। यह फिल्म 2022 में थैंक गॉड की रिलीज के बाद डेढ़ साल के अंतराल के बाद सिद्धार्थ मल्होत्रा की सिल्वर स्क्रीन पर वापसी का प्रतीक है, जो निर्माता करण जौहर के साथ एक बार फिर उनके सहयोग को प्रदर्शित करती है।

बॉक्स ऑफिस के मोर्चे पर, फिल्म ने नाटकीय रिलीज के छह दिनों में 23.35 करोड़ रुपये की कमाई की है। हालाँकि, इसने बॉक्स ऑफिस पर अदा शर्मा-स्टारर बस्तर~ द नक्सल स्टोरी को पीछे छोड़ दिया, जो उसी तारीख को योद्धा के साथ रिलीज़ हुई थी।

लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियां

पोलिंग बूथ, गणना स्थल, सब जगह चाक चौबंद इंतजाम

नोएडा (चेतना मंच)। लोकसभा चुनाव 2024 को पूरी निष्पक्षता तथा सुरक्षा के साथ सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन कोई कसर नहीं छोड रहा है। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा तथा गौतमबुद्धनगर की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह जनपद में बनाए गए पोलिंग स्टेशनों के साथ ही मतगणना स्थल पर की गई तैयारियों का जायजा लेकर मातहत अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा व पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत थाना फेस-2 क्षेत्रान्तर्गत पोलिंग बूथ उच्च प्राथमिक विद्यालय ककराला का निरीक्षण किया तथा वहां बिजली, पानी, शौचालय आदि सुविधाओं का जायजा लिया। वहीं दोनों अधिकारियों ने थाना फेस-2 क्षेत्रान्तर्गत फूलमंडी मतगणना स्थल एवं EVM स्ट्रॉग रूम का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मतदान पर्ची के साथ लाएं पहचान का दस्तावेज

नोएडा (चेतना मंच)। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के लिए मतदाता फोटो पहचान पत्र के विकल्प के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि मतदान के समय मतदाता को अपनी पहचान सिद्ध करने के लिए अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा, परंतु ऐसे मतदाता जो अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंकों/डाकघर द्वारा जारी किए गए फोटो युक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी किए गए स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो युक्त पेंशन दस्तावेज, केंद्र, राज्य सरकार, लोक उपक्रम, पब्लिक लिमिटेड कंपनी द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए फोटो युक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों, विधायकों, विधान परिषद सदस्यों को जारी किए गए सरकारी पहचान पत्र एवं यूनिक डिसेबिलिटी आईडी कार्ड सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार आदि वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों में से कोई एक प्रस्तुत करना होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने यह भी बताया कि एपिक में, प्रविष्टियों की मामूली विसंगतियों को नजर अंदाज कर देना चाहिये बशर्ते मतदाता की पहचान एपिक द्वारा सुनिश्चित की जा सके। यदि कोई मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रदर्शित करता है, जो कि किसी अन्य विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा जारी किया गया है, ऐसे एपिक भी पहचान स्थापित करने के लिए स्वीकृत किये जायेंगे, बशर्ते निर्वाचक का नाम, जहां वह मतदान करने आया है, उस मतदेय स्थल से संबंधित निर्वाचक नामावली में उपलब्ध होना चाहिए। फोटोग्राफ इत्यादि के बेमेल होने के कारण मतदाता की पहचान सुनिश्चित करना सम्भव न हो, तब मतदाता को उपरोक्त वैकल्पिक फोटो दस्तावेज को प्रस्तुत करना होगा।

उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदाता सूचना पर्ची बी0एल0ओ0 के माध्यम से मतदान तिथि से कम से कम 05 दिन पूर्व वितरित करने के निर्देश दिये गये हैं। मतदाता सूचना पर्ची पर मतदेय स्थल, मतदान का दिनांक व समय आदि का उल्लेख रहता है। मतदाता सूचना पर्ची को मतदाता के पहचान दस्तावेज के रूप में नहीं माना जायेगा। मतदाता को अपनी पहचान सिद्ध करने के लिए मतदाता सूचना पर्ची के साथ वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों में से कोई 01 साथ लाना अनिवार्य होगा।

खराब क्वालिटी का काजू सीज त्यौहार से पहले भरे गये नमूने

नोएडा (चेतना मंच)। होली पर्व के अवसर पर मिलावट रहित शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय अर्चना धीरान के निर्देशों के क्रम में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अक्षय गोयल के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जनपद में विशेष अभियान चलाकर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए और उन्हें जांच के लिए भेजा।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय अर्चना धीरान ने बताया कि विगत दिवस मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अक्षय गोयल के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के द्वारा जनपद के विभिन्न प्रतिष्ठानों से 09 खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए। पर्थला खंजरपुर, सेक्टर-122 स्थित बृजवासी स्वीट्स के कारखाने पर छापा मारकर कुल 6 नमूने- मिल्क केक, गुझिया, गुलाब जामुन, खोया, सोन पापड़ी तथा काजू का नमूना जांच के लिए भरे गए। काजू की क्वालिटी खराब होने तथा यूज बाई डेट अंकित न होने के कारण 120 किग्रा काजू, जिसका मूल्य रुपए 100800/ सीज कर दिया गया है।

पर्थला खंजरपुर स्थित ब्लिंक इट स्टोर से कुल 03 नमूने- गुझिया, नमक पारा तथा बेडमी पूरी आटा का नमूना जांच के लिए लिया गया। सेक्टर-22 चौड़ा रघुनाथपुर स्थित दुकानों का निरीक्षण किया गया तथा उपभोक्ताओं को त्योहार के अवसर पर जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी आर पी गुप्ता, राम नरेश, विशाल गुप्ता, विजय बहादुर, मुकेश कुमार, नेहा व रेनू सिंह शामिल रहे। संग्रहित किए गए नमूनों को प्रयोगशाला भेजा गया है।

श्री श्याम के भजनों में डूबे भक्त

नोएडा (चेतना मंच)। सनातन धर्म मंदिर, सेक्टर-19, नोएडा में ''बीसवां श्री श्याम द्वादशी महोत्सव'' आयोजित किया गया। श्री श्याम द्वादशी महोत्सव का पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया जिसमे प्रसिद्ध गायको ने अपने सुंदर भजनों के माध्यम से बाबा के भक्तों को प्रस्तुती दी और भक्तों ने नाच गाकर उसका आनंद लिया भक्तों ने जय श्री श्याम के जयकारे लगाये एवं होली का पर्व फूलों के साथ मनाया।

''श्री श्याम फाल्गुन द्वादशी महोत्सव'' के दौरान सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, कुलदीप गुप्ता अध्यक्ष भारत विकास परिषद नोएडा, पूर्व अध्यक्ष अग्रवाल मित्र मंडल नोएडा संजय गोयल, समाज सेवी मुकेश गुप्ता, राहुल गुप्ता, समाज सेवी प्रदीप अग्रवाल, सुशील भारद्वाज, कार्यक्रम आयोजक मुकेश शर्मा, राजीव गर्ग, अल्पेष गर्ग, विपिन बंसल, डा. टी.एन गोविल, अतुल मित्तल, राम निवास बंसन, प्रवीन बंसल, टी.एन. चौरसिया, रविन्द्र कुमार गुप्ता, देवेन्द्र गंगल, जे.एस. सोलंकी, संयोजक नवनीत जैन, अनिल गुप्ता, नरेष बंसल, मनोज गोयल, अवनीश बंसल, वीरेष तिवारी, एम.सी. वर्मा, राहुल अग्रवाल, महिला संयोजिका, राजबाला शर्मा, सविता मित्तल, बीना भारद्वाज, नमिता बाली, सविता गोयल, शालू गोयल, कुसुम सिंघल, मंजू बंसल श्याम सेवक अनुज बंसल, दिनेश सिंह, विजय शर्मा, ओमप्रकाश सर्दा, अमन सैनी, सचिन शर्मा, गोपाल प्रसाद, मदन पाल, प्रदीप रतूडी, आशीष द्विवेदी समेत काफी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

कथा में श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-34 के कम्युनिटी सेंटर में कथा कर रहे कथावाचक आचार्य पवन नंदन महाराज को विजय कौशल महाराज ने भागवत कथा को विभिन्न प्रसंगों का विद्धान व्याख्याता बताया।

श्रीमद्भागवत कथा के पांचवे दिन कथाव्यास पवन नंदन महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का सजीव वर्णन किया है। उन्होंने पूतना वध,कालिया मर्दन, गोचरण, माखन चोर, गोवर्धन लीला के प्रसंग सुनाए।

कथावाचक पवन नंद महाराज ने प्रकृति प्रेम, गोपालन को पर्यावरण संरक्षण बताया। छटा तीन लोग से न्यारी है गोवर्द्धन महाराज, अरी री मेरी मटकी फोड़ी गोवर्धन गिरधारी ने भजनों ने भक्तों को भाव-विभोर कर दिया।

अधिवक्ता उच्चतम न्यायालय सुबूही खान, क्षेत्र प्रचारक महेंद्र, प्रमोद शर्मा, धर्मेंद्र शर्मा पवन कुमार अग्रवाल, नैवेद्य शर्मा, भारतीय धरोहर के संयुक्त महामंत्री राजकुमार अग्रवाल, पवन मित्तल, एन.के. अग्रवाल, राजीव शर्मा, नरेश शर्मा, योगेंद्र शर्मा, त्रिलोक शर्मा, जय नारायण शर्मा, मनीष गुप्ता, द्वारिका डागा, डा. नमन शर्मा, रजनी शर्मा उपस्थित थे।

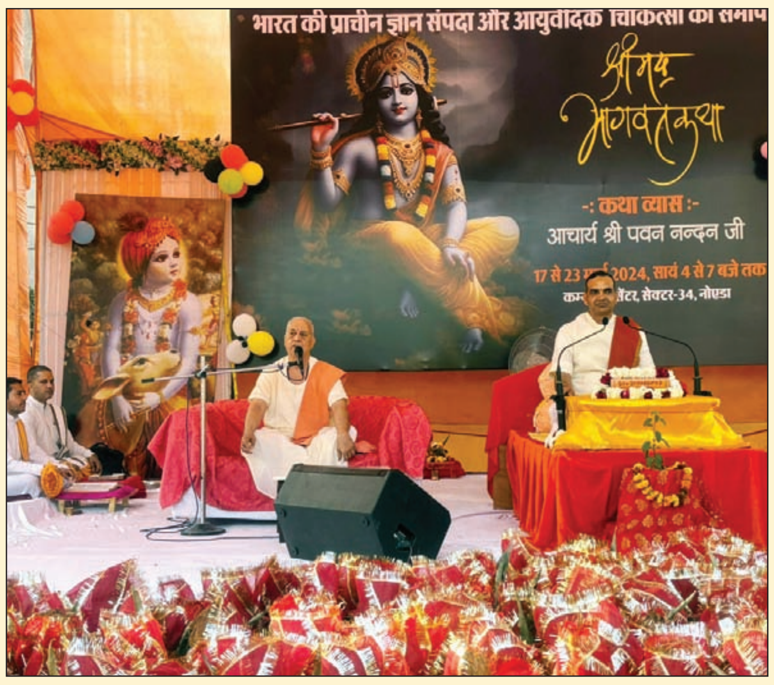

प्राधिकरण ने 195 करोड़ की जमीन से हटवाया अवैध अतिक्रमण

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ नोएडा प्राधिकरण ने कल बड़ी कार्यवाही की। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ.लोकेश एम. के आदेश पर अवैध अतिक्रमण और भू-माफियाओं के खिलाफ अभियान छेड़ा हुआ है।

अभियान के तहत कल वर्क सर्किल-6 वरिष्ठ प्रबंधक की अगुवाई में अलग-अलग जगह अवैध अतिक्रमण को बुल्डोजर से तोड़कर मिट्टी में मिला दिया है। नोएडा प्राधिकरण के दस्ते ने ग्राम सोरखा जाहिदाबाद, सैक्टर-76, सैक्टर-78, एवं सैक्टर-79 में हुई कार्यवाही के फलस्वरूप लगभग 195 करोड़ की 19000 स्क्वायर मीटर भूमि अतिक्रमणमुक्त करायी गई।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि पहला सोरखा जाहिदाबाद में खसरा 322 पर करीब 35 करोड़ रुपए की जमीन पर बुलडोजर चलाया है। दूसरा अभियान सेक्टर-76 में चलाया गया। यहां पर खसरा नंबर 18 से करीब 45 करोड़ रुपए की जमीन को खाली कराया गया है। तीसरा अभियान सेक्टर-79 में खसरा नंबर 770 पर करीब 12 हजार वर्गमीटर अवैध निर्माण हटाया गया।